RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | मंगलवार , 10 मार्च 2026 | वर्ष: 03 , अंक: 358 पृष्ठ: 08 , मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पश्चिम एशिया संकट: संवाद और कूटनीति जरूरी- जयशंकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नए घटनाक्रमों पर करीब से नजर रख रहे हैं: विदेश मंत्री एस. जयशंकर

- सरकार इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव को लेकर काफी गंभीर
- भारत ने 20 फरवरी को अपनी चिंता जाहिर कर सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की थी

नई दिल्ली/एजेंसी

पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों और ऊर्जा संकट पर राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राज्यसभा में पश्चिम एशिया के हालात पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि सरकार इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव को लेकर काफी गंभीर है। भारत ने 20 फरवरी को ही एक बयान जारी कर अपनी चिंता जाहिर कर सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की थी।

प्रधानमंत्री मोदी घटनाक्रम पर रख रहे नजर

विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार नए घटनाक्रमों पर करीब से नजर रख रहे हैं। संबंधित मंत्रालय आपस में तालमेल बिठाकर काम कर रहे हैं ताकि सही कदम उठाए जा सकें। उन्होंने बताया कि यह विवाद भारत के लिए बड़ी चिंता की बात है। खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं। ईरान में भी हजारों भारतीय छात्र और कर्मचारी मौजूद हैं। यह इलाका भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि यहां तेल और गैस के मुख्य सप्लायर हैं। सप्लाई चेन में रुकावट आना एक गंभीर मुद्दा है। जयशंकर ने कहा यह विवाद लगातार बढ़ रहा है जिससे इलाके की सुरक्षा की स्थिति खराब हो गई है। इसका असर आम जिंदगी और कामकाज पर पड़ रहा है। इस संकट में भारत ने अपने दो नाविकों को खो दिया है और एक नाविक अभी भी लापता है।

विदेश मंत्री ने कहा- 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके,

विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं, और वेस्ट एशिया में स्थिरता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। ईरान में भी, कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं। सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं। मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें। वेस्ट एशिया से हमारे लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है। 8 मार्च तक हमारे लगभग 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके हैं। संबंधित मंत्रालय जवाब देने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। लड़ाई लगातार बढ़ रही है।

इलाके में सुरक्षा की स्थिति काफी खराब

इलाके में सुरक्षा की स्थिति काफी खराब हो गई है। असल में, लड़ाई दूसरे देशों में भी फैल गई है। इससे तबाही और मौतें बढ़ रही हैं।

इजराइल-यूएस और ईरान के बीच लड़ाई जारी है, बल्कि कुछ खाड़ी देशों पर हमले भी हुए हैं। ईरान में लीडरशिप लेवल पर कई लोग मारे गए हैं, साथ ही इस इलाके में इंफ्रास्ट्रक्चर भी तबाह हुआ है।

इस समय लीडरशिप लेवल पर ईरान के साथ कॉन्टैक्ट करना साफ तौर पर मुश्किल है। ईरान के विदेश मंत्री ने ईरानी वॉरशिप लावन को कोच्चि पोर्ट पर डॉक करने की इजाजत देने के भारत का शुक्रिया अदा किया है।

मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें।

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा: चर्चा की मांग

- सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली/एजेंसी

संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा में अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालात पर चर्चा की मांग कर रहा था। उधर, विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। राज्यसभा में विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया। जयशंकर ने कहा, इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है। लोकसभा में भी विपक्ष ने विदेश मंत्री को बोलने नहीं दिया। उनकी स्पीच के दौरान हंगामा किया। सांसदों ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए।

राहुल गांधी 'विशेषर का डांस' के कैरेक्टर जैसे: सांसद निशिकांत दुबे

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा- राहुल गांधी विपक्ष के ऐसे नेता हैं जिनके बारे में अगर मैं कुछ हिंदी शब्दों का इस्तेमाल करूंगा, तो वे बिहार में इस्तेमाल होने वाली भाषा में बहुत अपमानजनक लगेंगे और मैं उस लेवल पर नहीं जाना चाहता। बिहार में 'विशेषर का डांस' नाम का एक मशहूर परफॉर्मेंस होता था और वह उसी के एक कैरेक्टर जैसे हैं। जो लोग बिहार और उसके एक्सप्रेशन को समझते हैं, वे समझ जाएंगे कि मेरा क्या मतलब है, लेकिन मैं ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहता।

गिरिराज सिंह बोले- विपक्ष से ऐसी उम्मीद नहीं थी

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा- विपक्ष से सदन में इस तरह के व्यवहार की उम्मीद कभी नहीं थी। सदन को चलने नहीं देना जनता के अधिकारों को छीनने जैसा है। आप 'अबोध बालक' हैं और आप ऐसे ही रह सकते हैं। सदन में प्लेकार्ड दिखाने का मतलब है कि आपको जवाब नहीं चाहिए, बल्कि आप सिर्फ हंगामा करना चाहते हैं।

समय सीमा के अंदर समस्याओं का निस्तारण करे प्रशासन: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ/एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए पीड़ितों के पास मुख्यमंत्री स्वयं चलकर पहुंचे। उनका प्रार्थना पत्र लिया और आश्वस्त किया कि सरकार सभी की उचित समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी समस्याओं का निस्तारण होगा। मुख्यमंत्री ने जनपदों के प्रशासनिक व पुलिस अफसरों को निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समय सीमा के अंदर सुनिश्चित किया जाए। निवेश और उद्योग विकास में देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं जनता दर्शन में मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान दो उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) व जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अर्बन फ्लड नियंत्रण एवं स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज योजना पर मंडल स्तरीय समन्वय बैठक

जलभराव के समाधान हेतु पंपिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना को मिला अनुमोदन

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष, प्रयागराज विकास प्राधिकरण ऋषिराज, नगर आयुक्त साई तेजा तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में आयुक्त कार्यालय स्थित गांधी सभागार में अर्बन फ्लड, जल प्लावन नियंत्रण एवं स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज योजना के संबंध में मंडल स्तरीय प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक में बरसात में शहर के निचले क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाली जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। नगर निगम के सहयोग से चिन्हांकित ऐसे क्षेत्रों, जहां बरसात के समय जलजमाव की समस्या अधिक देखने को मिलती है, वहां वर्षा जल की निकासी सुनिश्चित करने के लिए नालों पर डैम, गेट और पंपिंग स्टेशन स्थापित कर अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु बनाई गई योजना को प्रशासनिक समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। इस योजना का उद्देश्य शहर के निचले और संवेदनशील इलाकों में जलभराव की स्थिति को नियंत्रित करना तथा नागरिकों को होने वाली असुविधा को कम करना है। यह प्राक्कलन सी एंड डी एस, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), प्रयागराज द्वारा

नगर निगम के समन्वय से तैयार किया गया है, जिसमें परियोजना के निर्माण के साथ-साथ पांच वर्षों के संचालन एवं अनुरक्षण व्यय को भी शामिल किया गया है, ताकि प्रणाली का सुचारु संचालन लंबे समय तक सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि तीव्र शहरीकरण, बढ़ती जनसंख्या तथा कई स्थानों पर प्राकृतिक जल निकासी मार्गों के अवरुद्ध होने के कारण वर्षा के समय जल निकासी की समस्या गंभीर हो जाती है। पूर्व में खुले रहने वाले निचले क्षेत्रों में निर्माण कार्य होने से भी जलभराव की समस्या बढ़ी है। मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि योजना के क्रियान्वयन से पूर्व प्रस्तावित स्थलों का संयुक्त निरीक्षण संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया जाए तथा स्थानीय वार्ड के नागरिकों को प्रस्तावित डिजाइन की जानकारी देते हुए उनका फीडबैक भी लिया जाए, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की व्यावहारिक समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन में सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए।समिति द्वारा यह भी निर्णय लिया गया कि सभी कार्य नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की गाइडलाइन के अनुरूप किए जाएंगे। पंपिंग सिस्टम से निकलने वाले कुल जल प्रवाह की निगरानी और सटीक माप के लिए फ्लो-मीटर लगाए जाएंगे। साथ ही पंप कंट्रोल पैनल में रिमोट मॉनिटरिंग एवं कम्युनिकेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे केंद्रीय मॉनिटरिंग कक्ष को वास्तविक समय में आवश्यक सूचनाएं प्राप्त होती रहेंगी और प्रणाली की प्रभावी निगरानी संभव हो सकेगी।

डीएम ने की नलकूप, जल निगम एवं सिंचाई विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत कराए जा रहें कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने कार्यालय कक्ष में नलकूप, जल निगम एवं सिंचाई विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने नलकूप विभाग की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता नलकूप से कहा कि यान्त्रिक/विद्युत दोष के कारण बंद 05 नलकूपों को शीघ्र क्रियाशील कराया जाय, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए परेशान न होना पड़ें। उन्हांने कार्य में लापरवाही/शिथिलता पाए जाने पर अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिशासी अभियंता नलकूप को अपने कार्यों को गम्भीरता से लेकर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता, सिंचाई से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि रोस्टर के अनुसार सभी नहरों में टेल तक पानी अवश्य पहुॅचें।

जिलाधिकारी ने जल-जीवन मिशन के अन्तर्गत कराए जा रहें कार्यों-ओवरहेड टैंक का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने व कनेक्शन कार्य आदि की प्रगति की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए फर्म बाबा एवं जे.एम.सी. को कार्यां में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पाइप-लाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़क को शीघ्र मोटरेबल करा दिया जाय। उन्होंने कहा कि जहॉ पर कार्य पूर्ण हो चुके है, वहॉ पर मानक के अनुसार गुणवत्तापूर्ण सड़क को ठीक कराया जाय। जिन परियोजनाओं में कार्य 80 प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो चुकें है, प्राथमिकता के आधार पर उन परियोजनाओं का शत-प्रतिशत कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाय। उन्होंने सभी सहायक अभियंता, जल निगम का वेतन तब तक रोकने के निर्देश दिए, जब तक पाइप लाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सभी सड़कें मोटरेबल नहीं हो जाती है। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को कन्ट्रोल रूम स्थापित कराकर प्रतिदिन जल-जीवन मिशन के कार्यों की मॉनीटरिंग करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

असोथर पुलिस द्वारा 3 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर असोथर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तीन वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना असोथर पुलिस द्वारा ऐसी एसटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्तगण राजेन्द्र तिवारी पुत्र रामशरन , राकेश कुमार गुप्ता पुत्र छेद्दू , विपिन तिवारी पुत्र उमेश निवासीगण भैरवां थाना असोथर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

जिलाधिकारी ने की कृषि विभाग एवं कृषि एलाइड विभागों की योजनाओं प्रगति की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में कृषि विभाग एवं कृषि एलाइड विभागों की योजनाओं/कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड की समीक्षा के दौरान उप कृषि निदेशक से मृदा स्वास्थ्य परीक्षण के बाद सम्बन्धित किसान के खेत की उर्वरता में क्या सुधार हुआ एवं उत्पादकता में वृद्धि आदि जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने ए-आर-कोआपरेटिव को आगामी दिनां में मॉग को दृष्टिगत रखकर जनपद में खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश दिए। उन्होंने

परम्परागत कृषि विकास योजना, एग्री जंक्शन, पीएम कुसुम योजना एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की समीक्षा के दौरान उप कृषि निदेशक को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निराश्रित गोवंशो की समीक्षा के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को गौशालाओं में संवर्धन कार्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने पं.दी.द.उ. किसान समृद्धि योजना एवं पी.एम.के.एस.वाई. की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि कराए गए पक्के कार्यों का सत्यापन करा लिया जाय। उन्होंने जिला उद्यान अधिकारी को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना व पी.एम.एफ.एम.ई. योजना के अन्तर्गत आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण की बड़ी यूनिट जनपद में स्थापित किए जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय, इस सम्बन्ध में जिला उद्यान अधिकारी, उपायुक्त स्वतः रोजगार, उपायुक्त उद्योग व एल.डी.एम. की टीम गठित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जिला खाद्य विपणन अधिकारी से कहा कि गेहूॅ खरीद के सम्बन्ध मे सभी आवश्यक तैयारियॉ समय से सुनिश्चित कर लिया जाय।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज
कौशांबी । थाना मंझनपुर पुलिस को ग्राम टेनशाह अलमाबाद के एक व्यक्ति द्वारा मोबाइल पर सूचना दी गयी कि 02 व्यक्ति अवैध तमंचा लेकर गांव में आये है और राजकुमार के पास कहासुनी कर रहे है इस सूचना पर तत्काल थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर देखा गया तो 2 व्यक्ति कहासुनी कर रहे थे, पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किये तो उन्हे घेर घार कर पकड़ लिया गया । नाम पता पूछने पर उनके द्वारा अपना राजेश पुत्र झब्बू निवासी बरौला थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी . आदित्य कुमार पुत्र कालू पासी निवासी धाता थाना धाता जनपद फतेहपुर बताया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 02 अदद तमंचा 315 बोर, 03 अदद जिन्दा कारतूस व 01 अदद खोखा 315 बोर तथा मोटरसाइकिल बरामद किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में बालिका का फंदे से लटकता मिला शव गांव में सनसनी

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के कसिया पश्चिम गांव में एक बालिका का शव फंदे से लटकता हुआ मिला है जानकारी मिलते ही मौके पर गांव के लोग पहुंच गए हैं मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है परिवार के लोगों का कहना है कि बालिका कई दिनों से गुमसुम रहा करती थी और सोमवार की सुबह 7:30 बजे घर के अंदर कमरे में फांसी के फंदे पर लटक कर बालिका ने आत्महत्या कर लिया है लेकिन बालिका की मौत के बाद तमाम सवाल खड़े हो गए हैं जिससे घटना संदिग्ध बताई जाती है।

जानकारी के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के कसिया पश्चिम गांव निवासी आरती देवी उम्र 21 वर्ष पुत्री विश्राम कोरी के मौत की जानकारी मिलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई घटनास्थल पर तमाम ग्रामीण पहुंच गए संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता हुआ बालिका का शव मिला है परिजनों का कहना हैं कि बीमारी से वह परेशान रहती थी कई दिनों से वह लगातार गुमसुम रहा करती थी सोमवार की सुबह लगभग 7-30 बजे घर के अंदर कमरे में फाँसी के फंदे से लटक कर बालिका ने आत्महत्या कर लिया है।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस को सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची थाना पुलिस ने बालिका की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एफसीआई में नौकरी दिलाने के नाम पर 18 लाख रुपये की ठगी करने वाले 2 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। 11 जून 2025 को वादी विकास कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी बी-45 बी ब्लॉक रंगपुरी नई दिल्ली ने साइबर थाना पर तहरीर दी कि उसको व उसकी पत्नी मोनिका गौतम को अभियुक्तों द्वारा खुद को एफसीआई में अधिकारी एवं कर्मचारी बताकर एफसीआई में नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया तथा एफसीआई (ऋछक) का कूटरचित नियुक्ति पत्र देकर उनसे 18 लाख रुपये की ठगी की गयी है। इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर साइबर क्राइम थाना बुलन्दशहर पर पंजीकृत किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में एवं पुलिस अधीक्षक अपराध नरेश कुमार के पर्यवेक्षण में सोमवार को साइबर थाना पुलिस द्वारा एक अभिसूचना के आधार पर घटना में संलिप्त 02 अभियुक्तों को भूड चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त प्रिन्स कुमार तोमर पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी ग्राम भौपुर थाना खानपुर. दीपक शर्मा पुत्र आनन्द शर्मा निवासी ग्राम रसूलपुर थाना जारचा जनपद गौतमबुद्धनगर।

पूछताछ का विवरणः- गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया वे अपने अन्य साथियो के साथ मिलकर खुद को एफसीआई के अधिकारी व कर्मचारी बताकर छात्रों व उनके परिजनों को एफसीआई में नौकरी दिलाने के झांसे में ले लेते है एवं छात्रों व परिजनों को फर्जी नियुक्ति पत्र देकर उनसे भारी मात्रा पैसे ले लेते है। जिसके बाद ये सभी फरार हो जाते है। इस प्रकार अभियुक्तों द्वारा एफसीआई में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का काम किया जाता है।

वारण्टी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। एसपी अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर थाना थरियांव पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

सोमवार थाना थरियांव पुलिस द्वारा से सम्बन्धित वारंटी रामसजीवन पुत्र स्व0 जगदेव निवासी ग्राम औरेई थाना थरियांव जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 237 जोड़े वैवाहिक बंधन में बधें

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । विधायक चायल पूजा पाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने बाबू सिंह डिग्री कालेज मैदान, सयांरा में आयोजित भव्य मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 237 जोड़े वैवाहिक बंधन में बधें, जिसमें 04 मुस्लिम जोड़े सम्मिलित हैं। समारोह में वैदिक मन्त्रोच्चार एवं सभी धर्मां के पारम्परिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न कराया गया। विधायक चायल व भाजपा जिलाध्यक्ष एवं निवर्तमान विधायक शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल ने नवदम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए ईश्वर से सुखमय, समृद्ध एवं सफल वैवाहिक जीवन की मंगल कॉमना की।

जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि शासन द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत प्रति जोड़ा एक लाख रूपए का प्राविधान किया गया है। जिसमें 60 हजार कन्या के खाते में हस्तान्तरित किया जाता है, 25 हजार रूपए से घरेलू सामान दिया जाता है एवं 15 हजार रूपए आयोजन पर व्यय किया जाता है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यन्त लाभकारी है।

छह माह से लापता युवक को सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात यादव ने परिवार से मिलाया

अररिया। फारबिसगंज में मानवता और इंसानियत की एक मिसाल उस समय देखने को मिली,जब सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात यादव की पहल से छह माह से लापता एक युवक अपने परिवार से मिल सका। जानकारी के अनुसार,जमुई जिले का निवासी विनोद तुड़ी पिछले छह महीने से घर से लापता था और उसका मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक नहीं बताया जा रहा था। परिवार के लोग लंबे समय से उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था।

शनिवार की रात करीब 11 बजे फारबिसगंज के बथनाहा फोरलेन सड़क किनारे एक युवक को सोए हुए अवस्था में देखकर सामाजिक कार्यकर्ता प्रभात यादव की नजर उस पर पड़ी। संदिग्ध स्थिति में सड़क किनारे सोए युवक को देखकर

उन्होंने मानवीय संवेदना दिखाते हुए उससे बातचीत की और उसके बारे में जानकारी लेने का प्रयास किया। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम विनोद तुड़ी बताया और अपने घर का पता जमुई जिला बताया। युवक की मानसिक स्थिति को देखते हुए प्रभात यादव उसे अपने घर ले आए और उसे भोजन,रहने की व्यवस्था तथा जरूरी देखभाल उपलब्ध कराई।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कार्यालय में की जनसुनवाई, फरियादियों की समस्याओं को सुना

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा आम जनमानस की समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए, जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना गया।

मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को मौके पर जाकर त्वरित और निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी न होकर गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, जिससे पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय और राहत मिल सके। सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को समयबद्ध तरीके से निस्तारित किया जाए।

पुलिस के प्रयास से एक परिवार साथ रहने को हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र टीम द्वारा 8 फाइलों की काउंसलिंग की गई, जिसमें काउंसलिंग के दौरान एक फाइल में पति-पत्नी व उनके परिजनों की सहमति दोनों पक्षों का समझौता कराया गया तथा दोनों पक्ष (पति-पत्नी) को उनके जीवन के पारिवारिक कर्तव्यों को बताते हुए समझाया गया। दोनों पक्षों (पति-पत्नी) द्वारा बताया गया कि अब हम दोनों के बीच किसी प्रकार का कोई मनमुटाव नहीं रह गया है। अब हम आपसी सहमति से सुलह समझौता करना चाहते हैं । परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्षो (पति-पत्नी) का सुलह समझौता कराया गया । दोनों पक्षों द्वारा बताया गया कि अब हम दोनो पक्ष एक दूसरे के साथ प्रेम पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे । परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्षो को सलाह दिया गया कि अपने से बड़ों का सम्मान करते हुए अपने जीवन की नई शुरूआत करें।

दिल्ली में गिरफ्तार युवा विकास पार्टी के अध्यक्ष रिहा होने के बाद पहुंचे प्रयागराज

नारेबाजी माल्यार्पण के साथ हुआ जोरदार स्वागत

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। यूजीसी विरोधी आंदोलन से दिल्ली से वापस लौटने पर युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का नवाबगंज में लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा समर्थकों के साथ दिल्ली के रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन करने गए थे। वहां दिल्ली की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। सोमवार को दिल्ली से वापस आने के बाद क्षेत्र की जनता ने इनका जोरदार स्वागत किया।कार्यकताओं और समर्थकों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर युवा विकास पार्टी के पूर्व प्रदेश महासचिव कृष्णा शंकर मिश्रा ने कहा कि युवा विकास पार्टी बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नवाबगंज से लेकर दिल्ली तक लड़ाई लड़ने का काम कर रही है, जिससे सरकार बहुत परेशान हो गई है। इसीलिए युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सभी कार्यकताओं

को दिल्ली में गिरफ्तार करके विरोध में किए जा रहे प्रदर्शन को असफल करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा की इन सब के बावजूद युवा विकास पार्टी का मनोबल टूटने के बजाय और मजबूत हुआ है। इस अवसर पर युवा विकास पार्टी के बौद्धिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अवधेश शास्त्री ने अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

कार्यकताओं को संबोधित करते हुए युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कि बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए युवा विकास पार्टी लगातार लड़ाई लड़ती रहेगी और सरकार को यह भेदभाव वाला कानून वापस लेना ही होगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं तथा पदाधिकारियो को धन्यवाद देते हुए कहा कि लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए जन जागरण अभियान चलाया जाएगा। युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दिलीप मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव त्रिपाठी, प्रयागराज मंडल अध्यक्ष पप्पू पिपरा, सक्रिय सदस्य बल्लू तिवारी बेलौरा, जिला महामंत्री संजय पटेल, विधानसभा प्रभारी विजय मिश्रा, विधानसभा अध्यक्ष अनिल मिश्रा, विधानसभा महासचिव रजनीश मिश्रा सहित तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान महादेव है देवों के देव, सभी का करते है कल्याण : डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी

किन्नर संतों ने संत सम्मेलन में गंगा, गौ, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज / देवघर। किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी प्रो (डा) लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज ने कहा कि भगवान महादेव देवों के देव है वह सभी का कल्याण करते है क्योंकि वह इतने सहज, सरल और कृपालु है कि अपने शिष्यों और भक्तों पर कभी कोई कष्ट आने नही देते है। उन्होंने कहा कि किन्नरों के वह पूज्य और उनके स्वरूप है इसलिए भगवान महादेव के एक स्वरूप को अर्द्ध नारीश्वर भी कहते है। यह बातें किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी प्रो (डा) लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज ने आज किन्नर अखाडा की झारखंड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी राजेश्वरीनंद गिरि (रोज मौसी) के नेतृत्व में देवघर में बाबा बैधनाथ के दर्शन-पूजन के बाद कही। बडी संख्या में किन्नर संतों ने बाबा बैधनाथ का दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया। उसके बाद किन्नर अखाडा झारखंड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी राजेश्वरीनंद गिरि (रोज मौसी) के नेतृत्व में देवघर के बंधा पोखरा में चल रहे तीन दिवसीय भगवान काल भैरव और माता बउचरा के प्राण प्रतिष्ठा समारोह, संत सम्मेलन और विशाल भण्डारा में शामिल हुए। किन्नर संतों ने संत सम्मेलन में गंगा, गौ, पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया है। किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी प्रो (डा) लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज ने संत सम्मेलन में कहा कि गंगा, गौ और पर्यावरण के संरक्षण का आज सभी किन्नर संत संकल्प लें रहे है, जो भी किन्नर समाज से हो सकेगा वह हम सभी लोग करेगे।

संत सम्मेलन में किन्नर अखाड़ा झारखण्ड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि (रोज मौसी), महामण्डलेश्वर स्वामी गायत्री नंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी पवित्रा नंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी इन्दूनंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी जगदंबानंद गिरि, महामण्डलेश्वर स्वामी कालिकानंद गिरि, चारुलतानंद गिरि, जयंतीनंद गिरि,श्रीमहंत स्वामी कैलाशनंद गिरि, संजयनंद गिरिसहित अन्य संत, महात्माओं ने विचार व्यक्त किया। संचालन किन्नर अखाड़ा के श्रीमहंत अजीतनंद गिरि रूद्र ने किया। किन्नर अखाड़ा झारखण्ड की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी माता राजेश्वरी नंद गिरि (रोज मौसी) ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। विशाल भण्डारे के साथ तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का समापन हुआ।

भागवत कथा से होता है मानव को कर्तव्यबोध राधे सिया

सबसे तेज प्रयागराज
बहरिया । विकास खंड बहरिया के रामगढ़ कोठारी गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन सोमवार को कथा वाचिका श्री राधे सिया जी ने कहा कि मनुष्यों का क्या कर्तव्य है इसका बोध भागवत कथा सुनकर ही होता है। विडंबना ये है कि मृत्यु निश्चित होने के बाद भी हम उसे स्वीकार नहीं करते हैं। निस्काम भाव से प्रभु का स्मरण करने वाले लोग अपना जन्म और मरण दोनों सुधार लेते हैं ।कथा वाचिका ने कहा कि प्रभु जब अवतार लेते हैं तो माया के साथ आते हैं। साधारण मनुष्य माया को शाश्वत मान लेता है और अपने शरीर को प्रधान मान लेता है। जबकि शरीर नश्वर है। उन्होंने कहा कि भागवत बताता है कि कर्म ऐसा करो जो निस्काम हो वहीं सच्ची भक्ति है। इस अवसर पर आचार्य पं विमल मिश्रा के अलावा मुख्य यजमान श्रीमती प्रेमा देवी , विपिन शुक्ला,विनय शुक्ला,अशोक दूबे, पुरुषोत्तम पाण्डेय, योगानंद मिश्रा,कपिल नारायण मिश्रा , दयाशंकर तिवारी,अनिल कुमार पटेल,लल्लन शुक्ला ,अमृत लाल पाल,दिनेश कुमार पाण्डेय,डां कृष्ण कुमार पटेल,सहित बड़ी संख्या में भक्त लोग मौजूद रहे।

होली, बसंतोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 15 को

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य होंगे मुख्य अतिथि

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। भाजपा प्रयागराज महानगर, गंगापार एवं यमुनापार की ओर से होली एवं बसंतोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का भव्य आयोजन रविवार 15 मार्च को परेड ग्राउंड में किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सोमवार को सिविल लाइन स्थित भाजपा कार्यालय पर मंडल अध्यक्षों प्रभारियों की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कार्यकताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वाहन किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम ,फूलों की होली व सहभोज के साथ आयोजन का समापन होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में किसी बड़े गायक कलाकार को बुलाने पर विचार किया जा रहा है। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि रहेंगे। पार्टी के सभी मोर्चा, प्रकोष्ठ, सभी वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधि, वर्तमान एवं पूर्व पार्षद, बूथ से लेकर मंडल व महानगर पदाधिकारी कार्यकर्ता, पूर्व प्रत्याशी, समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्ध एवं वरिष्ठ विशिष्ट व विचार परिवार के लोग भी कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे से शुरू होगा। आयोजन को लेकर पार्टी कार्यकताओं पदाधिकारियों की टीम भी बनाई गई है जो विभिन्न व्यवस्थाओं को देखेगी। बैठक में भाजपा नेता कुंजबिहारी मिश्रा, शशि वार्ष्णेय, रमेश पासी, मुरारीलाल अग्रवाल, रवि केसरवानी, प्रमोद मोदी, विवेक अग्रवाल, राजू पाठक, गिरिजेश मिश्रा, राजेश गोंड, डॉ शैलेश पांडेय, प्रवक्ता पवन श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव, विजय लक्ष्मी, शिखा रस्तोगी, शोभिता श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, मनोज श्रीवास्तव, अजय सिंह आदि थे।

बीमारी से तंग बिजलीकर्मी ने यमुना पुल से कूदकर दी जान

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। बिजली कर्मचारी 28 वर्षीय शुभम वर्मा ने सोमवार को नए यमुना ब्रिज से कूदकर जान दे दी। शुभम ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले अपने भाई को फोन कर पुल से छलांग लगाने और तलाश नहीं करने की बात कही थी। जल पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। कीडगंज पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। शिवम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। छोटा बघाड़ा निवासी शुभम वर्मा विद्युत विभाग में स्टेनो के पद पर कार्यरत था। वह सोमवार दोपहर करीब एक बजे अपने घर से निकलकर नए यमुना पुल पर पहुंचा। इसके बाद अपने भाई से फोन पर बात पुल से कूदकर जान देने की बात कही। भाई ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन शुभम कॉल कटकर पुल से कूद गया। इधर, परिजन जानकारी होते ही रोते-बिलखते पहुंच गए। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शिवम का शव तलाश कर बाहर निकलवाया। कीडगंज थाना प्रभारी सुशील दुबे ने बताया कि परिजनों ने पूछताछ में शिवम के गले में इंफेक्शन की बात बताई है। उसका लंबे समय से इलाज चल रहा था। वह बीमारी से काफी तनावग्रस्त था।

छात्रवृत्ति परीक्षा में सफल बच्चों का विद्यालय में हुआ सम्मान

सबसे तेज प्रयागराज
बहरिया। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में कम्पोजिट विद्यालय जुगुनीडीह में आयोजित

बहरिया विकास खंड के कम्पोजिट विद्यालय जुगनीडीह के चार विद्यार्थियों दिव्या मौर्या को 144 अंक रैंक 6,सौरभ को 127 अंक रैंक 23,खुशी को 98 अंक रैंक 52 और राधिका को 95 अंक रैंक 55 के साथ सफलता मिली है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक लाल बहादुर यादव सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सम्मानित करते हुए बधाई दी। प्रधानाध्यापक द्वारा सफल विद्यार्थियों को प्रशस्ति पात्र, माडल रजिस्टर,लेखनी,मोमेंटो और लंच बॉक्स देकर पुरस्कृत करते हुए मुंह मीठा कराया और सभी अध्यापकों के प्रयासों की सराहना किया।इस परीक्षा में सफल विद्यार्थियों को पठन-पाठन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष 12000 रुपए की दर से कक्षा 9 से कक्षा 12 तक 4 साल में कुल 48000 रुपए की छात्रवृत्ति प्राप्त होती है।

वर्तमान शैक्षिक सत्र में कक्षा 7 में पढ़ने वाले विद्यार्थी इस परीक्षा को लेकर बहुत उत्साहित हैं और अभी से परीक्षा की तैयारी में जुट गए हैं। इस अवसर पर शीला कुमारी,उषा चौरसिया,स्वदेश रंजन गिरि,वैशाली श्रीवास्तव,अजय सिंह, अरविन्द सिंह,रागिनी गुप्ता,रिचा त्रिपाठी,संजू यादव,कल्पना सिंह,विनोद मौर्या,अमरदीप चौधरी,विवेक सिंह यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ शिक्षक राम आसरे प्रजापति ने किया।

भारतीय जनता पार्टी का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज
नवाबागंज। नवाबगंज स्थित एक गेस्ट हाउस में दो दिवसीय पंडित दीनादयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हुआ मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया।कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद केशरी देवी पटेल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी पूरा कर रही है उनका सपना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजना का लाभ पहुंचना चाहिए।मोदी सरकार 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन दे रही है, आयुष्मान योजना के अंतर्गत पांच लाख रुपए तक का मुफ़्त इलाज की सुविधा दी गई है विश्वकर्मा सम्मान योजना, किसान निधि, फसल बीमा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं वन स्टॉप सेंटर, पीएम जनधन योजना, आदि तमाम कल्याणकारी योजनाऐं भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही है पर किसी की जाति या धर्म नहीं पूछा जा रहा भाजपा सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत पर काम करती है। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडेय सहित मंडल प्रभारी प्रवीण श्रीवास्तव धुन्नू भैया, मंडल अध्यक्ष राम कैलाश सरोज, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, तुलसी राम सरोज,बृजेश त्रिपाठी,पूर्व मंडल अध्यक्ष राजू पाल, राजेंद्र मिश्रा, राम आसरे सरोज,राम चंद्र शुक्ला, ओंकार नाथ त्रिपाठी,ऋतुराज पांडेय, राजेंद्र केसरवानी, अवध नारायण मिश्रा, अशोक शंकर मिश्रा,राम आसरे मौर्य, आरती मौर्या,अनिल विश्वकर्मा, छवि नाथ शुक्ला,अंकित सिंह, दिनेश सिंह, राहुल तिवारी,महफूज आलम, राजन दुबे, सुरेन्द्र पटेल,रवि शंकर शुक्ला, गुड्डू राजा,राम रूप पटेल, पुनीत तिवारी, गोलू पांडेय,प्रभा शंकर मौर्या आदि मौजूद रहे।

राघोपुर में 6 दिन बाद पहुंचा गैस सिलेंडर का ट्रक, 504 सिलेंडर के लिए उमड़ी भीड़

सुपौल। राघोपुर प्रखंड में पिछले एक सप्ताह से चल रहे घरेलू गैस संकट के बीच सोमवार को लोगों को कुछ राहत मिली। गणपति एचपी गैस सेवा केंद्र पर छह दिनों बाद गैस सिलेंडरों से भरा एक ट्रक पहुंचा, जिसमें कुल 504 सिलेंडर लाए गए। गैस आने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में उपभोक्ता गैस गोदाम पर पहुंचने लगे और देखते ही देखते वहां भारी भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार राघोपुर प्रखंड में करीब 32 हजार गैस उपभोक्ता हैं। पिछले छह दिनों से गैस की आपूर्ति लगभग ठप रहने के कारण हजारों परिवारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कई घरों में गैस खत्म होने के कारण लोगों को खाना बनाने के लिए लकड़ी के चूल्हे, कोयला या अन्य वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा था, जिससे खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सोमवार सुबह गैस ट्रक आने की खबर फैलते ही उपभोक्ता सुबह 7 बजे से ही गैस एजेंसी के बाहर पहुंचने लगे। कुछ ही देर में लंबी कतार लग गई और लोगों की भीड़ बढ़ने लगी। भीड़ को नियंत्रित करने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए राघोपुर पुलिस को मौके पर बुलाया गया। पुलिस की निगरानी में उपभोक्ताओं को लाइन में लगाकर व्यवस्थित तरीके से गैस सिलेंडरों का वितरण कराया जा रहा है, ताकि किसी प्रकार की अफरा-तफरी या विवाद की स्थिति न बने।

गणपति एचपी गैस सेवा के मैनेजर दिलीप सेन ने बताया कि गैस प्लांट से पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर की आपूर्ति नहीं होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि छह दिनों बाद प्लांट से गैस की गाड़ी आई है, जिसमें 504 सिलेंडर पहुंचे हैं।

एजेंसी प्रबंधन ने उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

जीआईसी के पुरातन छात्रों का भव्य होली मिलन समारोह सम्पन्न

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। जीआईसी के पुरातन छात्रों का भव्य होली मिलन समारोह शेरवानी लिगेसी हाल में आयोजित किया गया। होली मिलन समारोह में जीआईसी के पुराने मित्रों और महिलाओं की अच्छी भागीदारी रही। विख्यात गायक संजय मित्रा ने पुराने गीतों से होली महोत्सव में समा बांध दिया। श्रीमती सेन व राकेश यादव ने महफिल जमाया। खासकर 1970 के गीतों ने सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। सभी साथियों ने डांस से महफि ल में रंग जमा दिया। इस दौरान फूलों की होली गीत और व्यंजनों का लुफ्त लेते हुए सबने खूब मजा किया। संचालन समीर भट्टाचार्य ने किया। प्रदीप मांगो ने अंत मे धन्यवाद ज्ञापित किया।

बालक के अपहरण की झूठी सूचना देने पर 4 लोग गिरफ्तार, बालक सकुशल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। थाना फूलपुर में अपहरण से सम्बन्धित चार लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में बजरंगी बिन्द निवासी बौढ़ई कटौता थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, कमलेश कुमार बिन्द निवासी ग्राम कोठरा थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़, अखिलेश कुमार निवासी ग्राम कोठरा थाना फतनपुर जनपद प्रतापगढ़ के अलावा राधिका बिन्द पत्नी बजरंगी बिन्द निवासिनी ग्राम बौढ़ई कटौता थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज भी शामिल है। इन चारों अभियुक्तों को फूलपुर थाने की पुलिस ने थाना फूलपुर क्षेत्र के परासिनपुर नहर के पास से गिरफ्तार किया गया। इस दौरान बालक को सकुशल बरामद कर लिया गया।

पति-पत्नी के विवाद में बालक को बनाया मोहरा

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त कमलेश बिन्द का अपनी पत्नी के साथ विवाद के कारण बालक के पालन पोषण हेतु कमलेश बिन्द द्वारा अपने पुत्र को जीजा बजरंगी बिन्द के यहां घर पर रखा गया था। 7 मार्च को बालक की मौसी ने थाना फूलपुर पर बालक की मां के साथ पुत्र को बजरंगी बिंद से दिलवाने के संबन्ध में प्रार्थना पत्र दिया था। बालक के पिता कमलेश बिंद सूरत में होने के कारण बजरंगी बिंद ने बालक का निर्णय उसके पिता कमलेश बिंद की उपस्थिति में कराए जाने के लिए कहा जाने लगा। काफी समझाने के बाद भी बजरंगी बिंद द्वारा बालक संघर्ष कुमार को वापस न किए जाने पर बजरंगी बिंद का चालान अंतर्गत धारा-170 भा0ना0सु0सं0 में किया गया। बालक के पिता कमलेश बिन्द द्वारा अपने जीजा, बहन व अपने भाई के साथ मिलकर बालक को कही छिपाकर मां व उसकी मौसी के द्वारा बालक के अपहरण कर लेने की भ्रामक खबर फैलाने की योजना बनायी गयी, जिससे बालक की मां को बालक से अलग रखा जा सके। योजना के तहत 8 मार्च को बालक के अपहरण होने की सूचना थाना फूलपुर पर दी गयी। बालक के सकुशल बरामदगी हेतु थाना फूलपुर पुलिस द्वारा टीम का गठन कर बालक को सकुशल बरामद किया गया तथा भ्रामक व झूठी सूचना देने के लिये उपरोक्त अभियुक्तों को विरूद्ध थाना फूलपुर में मुकदमा दर्ज किया गया। लिखा पढ़ी करने के बाद पुलिस ने चारों अभियुक्तों को जेल भेज दिया।

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चा के बीच सम्राट चौधरी का बयान, कहा- नेतृत्व पर फैसला राजग करेगा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की चर्चा के बाद राज्य की राजनीति में अगले मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर हलचल तेज हो गई है। इस बीच उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को इस मुद्दे पर पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी।

नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के मुख्यमंत्री बनने की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर सम्राट चौधरी ने कहा कि हर राजनीतिक दल को अपने संगठन और नेतृत्व से जुड़े फैसले लेने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री जनता दल (यूनाइटेड) का आंतरिक निर्णय है और इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती, श्रीमहंत नारायण गिरि ने भारत प्रतिमा स्थल गुरूकुलम आश्रम तख्तगढ में किया समाधि पूजन

शिक्षा,संस्कृति के पुनरोत्थान के लिए संतों ने किया जीवन समर्पित

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज / पाली, राजस्थान। उर्ध्वाम्नाय श्री काशी सुमेरू पीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य अनंत श्रीविभूषित स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज श्री आदि जगतगुरू शंकराचार्य महासंस्थान सुमेरूपीठ वाराणसी व सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ मठ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर, जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता एवं दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने भारत प्रतिमा स्थल गुरूकुलम आश्रम तख्तगढ में समाधि पूजन समारोह में आज शामिल हुए। जगतगुरू शंकराचार्य व महाराजश्री ने आश्रम में दर्शन और समाधि पूजन किया। भारत प्रतिमा स्थल गुरूकुलम आश्रम तख्तगढ के वर्तमान आचार्य महंत निर्भय दास महाराज व युवाचार्य अभय दास महाराज ने उनका स्वागत-अभिनंदन किया। भारत प्रतिमा स्थल गुरूकुलम आश्रम तख्तगढ के प्रथम आचार्य गुरूदेव त्रिक्रमदास महाराज, द्वितीय आचार्य लालदास महाराज व तृतीय आचार्य आनंददास महाराज रहे। वर्तमान में आचार्य महंत निर्भय दास महाराज व युवाचार्य अभय दास महाराज आश्रम का संचालन कर रहे हैं।

जगतगुरू शंकराचार्य अनंत श्रीविभूषित स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज ने कहा कि भारत प्रतिमा स्थल गुरूकुलम आश्रम तख्तगढ के प्रथम आचार्य गुरूदेव त्रिक्रमदास महाराज, द्वितीय आचार्य लालदास महाराज व तृतीय आचार्य आनंददास महाराज ने भारतीय शिक्षा व संस्कृति के पुनरोत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि आचार्य महंत निर्भय दास महाराज व युवाचार्य अभय दास महाराज आश्रम के प्रथम आचार्य गुरूदेव त्रिक्रमदास महाराज, द्वितीय आचार्य लालदास महाराज व तृतीय आचार्य आनंददास महाराज के दिखाए मार्ग पर चलते हुए राजस्थान समेत देश में भारतीय संस्कृति व शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने का पुनीत कार्य कर रहे हैं। राधा.कृष्ण सेवा संस्थान बुढा मांगलिया पाली के अध्यक्ष महेंद्र गिरि महाराज भी मौजूद रहे।

संपादकीय

शांति ही बदलती दुनिया की अनिवार्य अपेक्षा

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है, बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं, तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार, आपूर्ति श्रृंखलाएं, मुद्रा विनिमय दरें, शेयर बाजार, खाद्य सुरक्षा, शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है-एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक, बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है, विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है; वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा। युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है, सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए।

शिखर से सियासी शून्य तक नीतीश के ऐतिहासिक अवसान की दास्तां

दिलीप कुमार पाठक

नीतीश कुमार भारतीय राजनीति के एक ऐसे विलक्षण चरित्र हैं, जिन्हें इतिहास क्या हो सकता था और क्या हो गए के बीच के द्वंद्व के रूप में याद रखेगा। 2005 में जब उन्होंने बिहार की सत्ता संभाली, तो वह केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के एक नए विजन और सुशासन के प्रतीक बनकर उभरे थे। 2005 से 2010 का वह स्वर्ण काल आज भी बिहार के मानस पटल पर अंकित है, जब उन्होंने जंगलराज की राख से एक नए बिहार की नींव रखी थी। उस दौर में नीतीश कुमार का कद इतना विराट था कि उन्हें प्रधानमंत्री पद का सबसे स्वाभाविक और योग्य दावेदार माना जाता था। उनकी तुलना अक्सर बड़े सुधारकों से की जाती थी, लेकिन आज का परिदृश्य कुछ और ही कहानी बयां करता है। नीतीश की सबसे बड़ी ताकत उनका प्रशासनिक विजन था। उन्होंने दिखा दिया था कि इच्छाशक्ति हो तो बिहार जैसे जटिल राज्य की कानून-व्यवस्था को बदला जा सकता है। सड़कों का जाल बिछाना, स्कूल की बच्चियों को साइकिल बांटकर सामाजिक क्रांति लाना और पंचायत चुनावों में महिलाओं को आरक्षण देना—ये उनके ऐसे मास्टरस्ट्रोक थे जिन्होंने उन्हें विकास पुरुष की उपाधि दी।

उन्होंने राजनीति को जाति के दलदल से निकालकर विकास की मेज पर लाने की गंभीर कोशिश की थी।

नीतीश कुमार में एक राष्ट्रीय नेता बनने की हर खूबी मौजूद थी—साफ सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव और धर्मनिरपेक्ष साख। लेकिन 2013 के बाद उनकी राजनीति ने एक ऐसी करवट ली, जिसने उनकी विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए। नरेंद्र मोदी के उदय के विरोध में एनडीए छोड़ना और फिर बार-बार गठबंधन बदलना उनकी राजनीति का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। यहीं से सुशासन बाबू की छवि धीरे-धीरे एक संकीर्ण पहचान में तब्दील होने लगी। एक ऐसा नेता जो कभी देश को दिशा देने की क्षमता रखता था, वह अपनी कुर्सी बचाने के लिए छोटे-छोटे समीकरणों में उलझ कर रह गया। नीतीश कुमार की सबसे बड़ी कमी उनकी अति-व्यावहारिकता रही, जो अंततः अवसरवाद के रूप में दिखने लगी। सत्ता के शीर्ष पर बने रहने की उनकी चाहत ने उनके वैचारिक आधार को कमजोर कर दिया। जब कोई नेता बार-बार अपने सिद्धांतों के विपरीत पाले बदलता है, तो वह जनता का विश्वास खो देता है। उनकी राजनीति धीरे-धीरे समावेशी विकास से हटकर केवल उत्तरजीविता की राजनीति बन गई। उन्होंने खुद को एक ऐसे घेरे में सीमित कर लिया जहाँ उनके पास न तो कोई बड़ा वैचारिक आधार बचा और न ही एक कड़क विद्रोही का तेवर। विशेष रूप से भाजपा के साथ उनके संबंधों का ग्राफ उनकी राजनीतिक गिरावट की सबसे बड़ी गवाह है। एक दौर वह था जब भाजपा में नीतीश कुमार का कद इतना बड़ा था कि उन्हें सिर-आंखों पर बिठाया जाता था। बिहार में भाजपा उनके पीछे खड़ी रहती थी और राष्ट्रीय स्तर पर वे एनडीए के सबसे प्रभावशाली चेहरे माने जाते थे। तब भाजपा उन्हें बड़ा भाई मानती थी और उनकी हर शर्त स्वीकार्य होती थी। लेकिन आज स्थिति बिल्कुल उलट है। बार-बार गठबंधन बदलने और अपनी विश्वसनीयता खोने के कारण आज वे भाजपा के लिए केवल एक रणनीतिक आवश्यकता बनकर रह गए हैं। कल तक जो नीतीश भाजपा की दिशा तय करते थे, आज वे भाजपा की बिछाई हुई बिसात पर एक मोहरे के समान नजर आते हैं। अब गठबंधन में शर्तें वे नहीं, बल्कि भाजपा तय करती है। यह एक सशक्त नेता का धीरे-धीरे हुआ वह अवसान है, जहाँ जिस भाजपा को वे कभी चुनौती देते थे, आज उसी की छत्रछाया में अपनी राजनीतिक आयु बढ़ाने को मजबूर हैं। यह एक विडंबना ही है कि जो नेता जातिवाद को खत्म करने की बात करता था, अंत में वह स्वयं जातीय गणना और छोटे कबीलाई वोट बैंक की राजनीति के इर्द-गिर्द सिमट गया। विकास का बड़ा कैनवास अब गठबंधन के जोड़-तोड़ की छोटी फाइलों में दब गया है। जब नीतीश कुमार भविष्य में पीछे मुड़कर देखेंगे, तो उन्हें निश्चित रूप से उस खोए हुए अवसर का मलाल होगा, जहाँ वह भारत के एक बड़े विकल्प का नेतृत्व कर सकते थे। इतिहास नीतीश कुमार का मूल्यांकन एक अधूरी क्रांति के नायक के रूप में करेगा। उन्हें एक ऐसे मुख्यमंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिसने बिहार को चलना सिखाया, लेकिन खुद को दौड़ने से रोक लिया। उनका अंत इस बात का प्रमाण है कि वह बहुत बड़ी सफलता के करीब पहुंचकर अपनी ही अस्थिरता की भेंट चढ़ गए। समय उन्हें एक कुशल प्रशासक तो मानेगा, लेकिन एक ऐसा राजनेता भी कहेगा जिसने अपनी महानता को अवसरवाद के भंवर में खो दिया। उनका राजनीतिक अवसान एक व्यक्ति का अंत नहीं, बल्कि एक उस बड़ी उम्मीद का अंत है जिसे करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों में सजाया था।

> **नीतीश कुमार में एक राष्ट्रीय नेता बनने की हर खूबी मौजूद थी—साफ सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव और धर्मनिरपेक्ष साख। लेकिन 2013 के बाद उनकी राजनीति ने एक ऐसी करवट ली, जिसने उनकी विश्वसनीयता पर बड़े सवाल खड़े कर दिए**

भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष का स्वरूप

संतोष सिंह

वर्ष 2014 का वह समय भारतीय राजनीति के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ की तरह दर्ज है। चुनावी सभाओं की गूंज, मीडिया की बहसें और जनमानस की चर्चाएं—सबके केंद्र में एक ही वाक्य तैरता था: मोदी का कोई विकल्प नहीं है। उस दौर में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने एक ऐसी राजनीतिक लहर को जन्म दिया, जिसने केवल सत्ता परिवर्तन ही नहीं किया, बल्कि राजनीतिक विमर्श की दिशा भी बदल दी। एक सशक्त, निर्णायक और करिश्माई नेतृत्व की छवि ने जनता के भीतर स्थिरता और विकास की आकांक्षाओं को स्वर दिया। विपक्ष बिखरा हुआ था, नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता थी, और परिणामस्वरूप विकल्पहीनता एक राजनीतिक सत्य की तरह स्थापित हो गई। परंतु लोकतंत्र किसी एक क्षण की स्थिर तस्वीर नहीं, बल्कि निरंतर बदलती हुई चलचित्र है। समय का पहिया घूमता है, परिस्थितियाँ करवट लेती हैं और जनमत की धाराएँ नए मार्ग तलाशती हैं। पिछले दस-बारह वर्षों में भारतीय राजनीति ने अनेक रंग देखे—उम्मीद, उत्साह, असहमति, विरोध और पुनर्विचार। यह वही कालखंड है जिसमें राजनीति का केंद्रबिंदु अपरिहार्य नेतृत्व से हटकर संभावित विकल्प की ओर मुड़ता दिखाई देता है। इसी बदलते परिदृश्य में राहुल गांधी का राजनीतिक व्यक्तित्व नए आयामों के साथ उभरता है। एक समय था जब उन्हें राजनीतिक व्यंग्य का विषय बनाया जाता था, उनकी गंभीरता पर प्रश्न उठाए जाते थे और उन्हें अपरिपक्व नेतृत्व का प्रतीक बताया जाता था। किंतु राजनीति में समय सबसे बड़ा शिक्षक होता है। जनसंवाद की निरंतरता, पदयात्राओं की तपस्या और मुद्दा-आधारित राजनीति की प्रतिबद्धता ने उनकी छवि को धीरे-धीरे पुनर्निर्मित किया है। उनकी देशव्यापी यात्राएँ केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं रहीं; वे एक प्रकार का सामाजिक संवाद बन गईं। धूल भरी सड़कों पर पैदल चलते हुए, किसानों से बातचीत करते हुए, युवाओं की आकांक्षाएँ सुनते हुए और महिलाओं की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया कि राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि संवेदनाओं का सेतु भी है। इस प्रक्रिया ने उनके समर्थकों में एक नई आशा जगाई है—कि वे एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में उभर सकते हैं। धीरे -धीरे भारतीय राजनीति के परिदृश्य में विपक्ष की शैली भी समय के साथ कहीं अधिक आक्रामक, धारदार और मुखर होती चली गई। कभी संकोच और बचाव की मुद्रा में दिखने वाला विपक्ष अब सीधे टकराव की रणनीति अपनाता दिखाई देता है। इस परिवर्तन के केंद्र में यदि किसी एक चेहरे को रखा जाए, तो वह हैं राहुल गांधी। कभी उपहास का पात्र बनने वाले राहुल गांधी आज खुले मंचों से सरकार को ललकारते हुए दिखाई देते हैं। संसद हो या सड़क, प्रेस वार्ता हो या पदयात्रा—उनकी भाषा में अब हिचक नहीं, बल्कि सवालों की स्पष्टता और आरोपों की तीक्ष्णता दिखाई देती है। हालात इस हद तक बदले हैं।

विकास की दिशा पर पुनर्विचार: क्या केवल जीडीपी पर्याप्त है?

प्रो. आरके जैन

क्या हम सच में आगे बढ़ रहे हैं, या आंकड़ों की चमक ने हमारी दृष्टि धुंधली कर दी है? ऊँची जीडीपी दरें, रिकॉर्ड निवेश और उत्पादन के नए शिखर भले ही उपलब्धि लगें, पर एक मूल सवाल दबता जा रहा है—क्या इस विकास ने इंसान को अधिक स्वस्थ, अधिक शिक्षित और अधिक खुश बनाया है? आर्थिक वृद्धि की अंधी दौड़ में हमने संख्याओं को ही सफलता का पर्याय बना दिया है। परिणामस्वरूप विकास की परिभाषा सिमटकर सकल घरेलू उत्पाद तक रह गई है, जबकि मानव जीवन की गुणवत्ता, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक न्याय पीछे छूट गए हैं। चमकती अर्थव्यवस्था के पीछे छिपी यह खाई अब स्पष्ट दिखाई देने लगी है।

जीडीपी किसी राष्ट्र के कुल उत्पादन और सेवाओं के आर्थिक मूल्य का आकलन करता है, पर यह मानवीय कल्याण का सच्चा प्रतिबिंब नहीं बन पाता। प्रदूषण बढ़े और उसकी सफाई पर खर्च हो, तो वह भी जीडीपी में बढ़ोतरी के रूप में दर्ज होता है। अपराध बढ़ें और सुरक्षा पर अधिक व्यय किया जाए, तो उसे भी आर्थिक सक्रियता माना जाता है। इस तरह जीडीपी उन गतिविधियों को भी विकास घोषित कर देता है जो समाज को भीतर से निर्बल बनाती हैं। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्टों के मुताबिक 2030 तक चयनित पारिस्थितिकी सेवाओं के पतन से वैश्विक जीडीपी में 2.7 ट्रिलियन डॉलर की वार्षिक हानि हो सकती है। साफ है कि उत्पादन बढ़ने

के साथ विनाश की भारी कीमत भी चुकाई जा रही है।

मानव विकास का व्यापक नजरिया स्पष्ट करता है कि आय केवल एक पहलू है। यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम की मानव विकास रिपोर्टें स्वास्थ्य, शिक्षा और आय के संतुलित संयोजन को वास्तविक प्रगति की कसौटी मानती हैं। अनेक उच्च जीडीपी वाले देशों में भी खुशहाली सूचकांक अपेक्षित ऊँचाई तक नहीं पहुँचा, क्योंकि सामाजिक रिश्ते कमजोर पड़े हैं और मानसिक दबाव बढ़ा है। जब नीतियाँ केवल आर्थिक विस्तार पर टिक जाती हैं, तब असमानता और गहरी होती है तथा विकास का लाभ सीमित वर्ग तक सिमट जाता है। यही असंतुलन समाज की आधारशिला को धीरे-धीरे क्षीण करता है। स्वास्थ्य क्षेत्र में जीडीपी-आधारित सोच की नाकामी सबसे तीखे रूप में सामने आती है। आर्थिक वृद्धि के बावजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बीमारियाँ लगातार फैल रही हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन पहले ही चेतावनी दे चुका है कि वायु प्रदूषण और जलवायु संकट वैश्विक मृत्यु दर में चिंताजनक बढ़ोतरी कर रहे हैं। नवीनतम अनुमानों के अनुसार भारत में प्रदूषण से 2 मिलियन से अधिक मौतें प्रतिवर्ष हो रही हैं। यह आंकड़ा उस विकास मॉडल पर सवाल उठाता है जो उद्योगों को वरीयता देता है, किंतु स्वच्छ हवा और सुरक्षित जल को नहीं। मानसिक स्वास्थ्य का संकट, खासकर युवाओं के बीच, इसी असंतुलन की नई और गंभीर अभिव्यक्ति बन गया है।शिक्षा भी जीडीपी की सीमित सोच से अछूती नहीं है। सरकारी और निजी निवेश बढ़ने पर खर्च तो बढ़ता है, पर गुणवत्ता और समान अवसर की गारंटी नहीं मिलती। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शैक्षिक खाई भविष्य की उत्पादकता पर सीधा असर डालती है। मानव विकास सूचकांक में शिक्षा को केंद्रीय महत्व दिया गया है, क्योंकि ज्ञान और कौशल ही दीर्घकालिक टिकाऊ समृद्धि का आधार हैं। यदि विकास का लाभ समान रूप से वितरित न हो, तो वंचित वर्ग अवसरों से दूर रह जाता है। ऐसी स्थिति में जीडीपी की वृद्धि केवल सतही सफलता बनकर रह जाती है, जो सामाजिक गतिशीलता को गति नहीं दे पाती। पर्यावरणीय असंतुलन जीडीपी मॉडल की सबसे गंभीर कमजोरी बनकर उभरा है। वन कटाई, खनन और बेलगाम औद्योगीकरण उत्पादन तो बढ़ाते हैं, किंतु जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देते हैं। आकलन बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन से होने वाला वार्षिक आर्थिक नुकसान वैश्विक स्तर पर जीडीपी के 4 प्रतिशत तक 2050 तक और 20 प्रतिशत तक सदी के अंत तक पहुँच सकता है, जबकि कुछ देशों में यह वैश्विक औसत से 30-60 प्रतिशत अधिक हो सकता है। समुद्री अम्लीकरण, जल संकट और भूमि क्षरण आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा खतरा हैं। जब विकास प्रकृति के विरोध में खड़ा होता है, तब वह अपने ही आधार को कमजोर कर देता है। स्थिरता को केंद्र में रखे बिना कोई भी आर्थिक उपलब्धि दीर्घकालिक नहीं ठहर सकती। दुनिया के कुछ राष्ट्रों ने इस असंतुलन को समझकर वैकल्पिक रास्ते अपनाए हैं। भूटान का ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस सूचकांक संस्कृति, पर्यावरण और सामुदायिक जीवन को विकास आधार मानता है। ओईसीडी का बेटर लाइफ इंडेक्स अवकाश, सामाजिक रिश्तों और पर्यावरणीय गुणवत्ता को परखता है। न्यूजीलैंड ने वेलबिंग बजट के जरिए स्वास्थ्य और शिक्षा को नीति-निर्माण के केंद्र में रखा है।

ये पहल दशार्ती हैं कि विकास केवल

भाजपा ने विकसित दिल्ली की कुछ बुनियाद भी रखी

मनोज कुमार मिश्र

साल भर में दिल्ली की भाजपा सरकार ने कुछ तो उपलब्धि हासिल की है। यह उसके चुनावी वायदे के हिसाब से काफी कम है। अभी सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा है। दिल्ली को प्रदूषण से मुक्ति दिलाना, यमुना की सफाई, दिल्ली की सड़कों पर से भीड़ कम करना, दिल्ली से आबादी का बोझ घटाना, पर्याप्त पानी-बिजली उपलब्ध कराना, शैक्षणिक संस्थानों से लेकर अस्पतालों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाना, शहर की साफ सफाई, सभी को रोजगार और आवास के अलावा हर महिला को 2500 रुपए पेंशन इत्यादि अनेक चुनावी वायदों पर अभी अमल होना बाकी है। सरकार को समारोहों और घोषणाओं की राजनीति से बाहर आ कर जमीनी हकीकत का सामना करना होगा। पिछली सरकारों पर दोषारोपण के स्थान पर अपने काम से बड़ी लकीर खींचनी होगी। 27 साल के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुवाई में बनी भाजपा सरकार ने साल भर के शासन में भविष्य की विकसित दिल्ली की कुछ बुनियाद भी रखी। 20 फरवरी,2026 को सरकार के एक साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंत्रिमंडल के अपने सभी सहयोगियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में अपनी सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। इसमें दावा किया गया कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बहाने बनाने के बजाए कड़ी मेहनत करके भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विकसित दिल्ली बनाने के लिए हर दिन काम किए। 365 दिन में 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर(डिस्पेंसरी) बने, इसकी संख्या इस साल 1100 करने का लक्ष्य है। पांच रुपए में गरीबों को भाजन उपलब्ध कराने के लिए 71 अटल कैंटीन शुरू की गई। अभी हर रोज करीब 71 हजार लोग खाना खा रहे हैं। साल भर में ही पानी, बिजली, स्वास्थ्य, सार्वजनिक परिवहन, प्रदूषण दूर करने, यमुना की सफाई और दिल्ली के मूलभूत ढांचे को बेहतर करने की ठोस बुनियाद रखी गई हैं। भाजपा सरकार ने वायदे के मुताबिक मंत्रिमंडल की पहली बैठक में आम लोगों को मुफ्त उपचार के लिए आयुष्मान योजना न केवल दिल्ली में लागू किया गया। अब तक इस योजना में सात साख से ज्यादा लोग पंजीकरण कराकर इसका लाभ उठा रहे हैं। झुग्गी बस्तियों के लिए सात सौ करोड़ का बजट जारी किया गया है।

दिल्ली में देश का सर्वाधिक न्यूनतम वेतन 22411 रुपए प्रति महीना लागू किया गया। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए पांच सौ पालन केन्द्र खोले गए हैं। परिवहन क्षेत्र में चार हजार से अधिक ई-बसें चलाई जा रहा है।

केजरीवाल संबंधी निर्णय: संकेत, सन्देश और सियासत

तनवीर जाफरी

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पिछले दिनों विवादित दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने सीबीआई द्वारा अदालत में पेश किये गये सबूतों को कमजोर और अपर्याप्त बताया और कहा कि आरोपियों की कोई आपराधिक साजिश या इरादा साबित नहीं हुआ। अदालत ने कहा कि केवल दावे पर्याप्त नहीं होते बल्कि ठोस सबूत होने भी जरूरी हैं। अदालत ने कहा कि चार्जशीट में खामियां हैं और कोई साक्ष्य भी नहीं मिला। इस अदालती फैसले के बाद राजनैतिक हल्कों में हलचल तेज हो गयी है। गौरतलब है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने नवंबर 2021 में नई आबकारी नीति लागू की थी। इस नीति का उद्देश्य शराब की बिक्री का

निजीकरण कर ग्राहक सुविधा बढ़ाना और शराब की काला बाजारी रोकना बताया गया था। परन्तु जुलाई 2022 में मुख्य सचिव की रिपोर्ट में प्रक्रियागत खामियां , मनमाने फैसले और 500 करोड़ से अधिक का नुक़सान बताते हुए दिल्ली के तत्कालीन एल जी, वी के सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफारिश की।उस समय केंद्र सरकार की अधीनस्थ संस्थाओं सीबीआई और ईडी द्वारा यह आरोप लगाया गया कि दिल्ली सरकार के तत्कालीन आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा इस नयी आबकारी नीति को निजी शराब कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए तैयार किया गया था। जिसमें 100 करोड़ के कैशबैक आम आदमी पार्टी के कई नेताओं को मिले। तत्कालीन मुख्य मंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस पूरे मामले का मुख्य साजिशकर्ता बताया गया। इसके बाद जुलाई 2022 में एलजी की सिफारिश से ही अगस्त में सीबीआई व ईडी द्वारा केस रजिस्टर्ड किया गया तथा सितंबर में नयी आबकारी नीति रद्द कर दी गयी । इसी के बाद फरवरी 2023 में मनीष सिसोदिया को और मार्च 2024 में केजरीवाल को गिरफ़्तार कर लिया गया। अब जहाँ संबंधित अदालत द्वारा केजरीवाल व सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया गया हैं वहीं खबर यह भी है कि निचली अदालत के इस फैसले को चुनौती देने हेतु सी बी आई संभवतः हाई कोर्ट का रुख कर सकती है। बहरहाल इस अदालती फैसले के बाद विपक्ष एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमलावर है। क्योंकि मोदी सरकार के दौरान ही अरविंद केजरीवाल के अलावा और भी कई विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों और नेताओं पर ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों ने कार्रवाई करने की कोशिश की। इनमें गिरफ़्तारियां भी हुईं, परन्तु अधिकांश मामलों में या तो जमानत मिली या मामले डिस्चार्ज हुये या फिर उन्हें अदालत से राहत मिली। उदाहरण स्वरूप झारखंड के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हेमंत सोरेन को 2024 में ईडी द्वारा लैंड स्कैम और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मामलों में गिरफ़्तार किया गया। उन्हें सीएम पद से इस्तीफा देकर जेल जाना पड़ा। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 2026 में ईडी की कार्यवाही पर स्टे लगा दिया और वे रिहा होने के बाद पुनः मुख्यमंत्री बने। इसी तरह कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के विरुद्ध ईडी ने टवऊअ स्कैम में हाईकोर्ट ने जांच की मंजूरी तो दे दी परन्तु लोकायुक्त ने उन्हें क्लीन चिट दे दी। यूँही कभी केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को ईडी द्वारा 466 करोड़ का नोटिस जारी किया गया व कई कारण बताओ नोटिस जारी किये गये।

आबकारी नीति मामले में आप नेताओं का बरी होना प्राणवायु के समान

ललित गर्ग

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थात सीबीआई द्वारा पंजीकृत किया गया था और लंबे समय से सार्वजनिक बहस के केंद्र में था। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आरोप ठोस साक्ष्यों और विश्वसनीय गवाहियों पर आधारित नहीं हैं तथा आरोपपत्र में वर्णित दावे न्यायिक परीक्षण की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। न्यायालय की यह टिप्पणी कि अनुमानों और अटकलों को विधिसम्मत प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, न केवल इस विशेष प्रकरण बल्कि समग्र अन्वेषण प्रक्रिया के लिए भी गंभीर संकेत देती है। आबकारी नीति मामले यह फैसला आप के लिए एक बड़ी संजीवनी या प्राणवायुके समान है। यह फैसला आप को कट्टर ईमानदार की छवि वापस पाने और आगामी चुनावों के लिए एक आक्रामक रुख अपनाने में मदद करेगा, जिससे विपक्षी दलों का मनोबल भी बढ़ा है। कोर्ट से मिली क्लीन चिट ने आप नेताओं की साख बहाल की है जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। यह निर्णय राजनीतिक प्रतिशोध के नैरेटिव को बल देता है जिससे आप अपनी छवि को बेदाग साबित कर पा रही है। विपक्षी दल इस घटना को केंद्रीय एजेंसियों सीबीआई एवं ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक जीत के रूप में देख रहे हैं जिससे उन्हें केंद्र के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। इस फैसले से दिल्ली और पंजाब में आप को मजबूती मिलेगी और वह आगामी चुनावों के लिए आक्रामक प्रचार कर सकती है। विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा।

और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए।

यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने।

आरपीएफ ने 2 शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज द्वारा ऑपरेशन रेल सुरक्षा के तहत स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से रेलवे संपत्ति चोरी की घटना का खुलासा करते हुए 2 शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से रेलवे से चोरी की गई एक मोटर बरामद की गई।बरामद मोटर की अनुमानित कीमत 14,449 रुपये आंकी गई है। अभियुक्तों की पहचान शेख शोहेम एवं चाँद शेख निवासी करेली, प्रयागराज के रूप में हुई है। इस संबंध में आरपीएफ पोस्ट प्रयागराज पर धारा 3 RP(UP) Act एवं 147 रेलवे एक्ट के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने लौटवाए ऑनलाइन ठगी का शिकार पीड़ित के 87 हजार, चेहरे पर आई खुशी

फिरोजाबाद।

पुलिस ने रविवार को ऑनलाइन ठगी का शिकार पीड़ित के 87,120 रुपए सकुशल वापस कराए। रुपए पाकर पीड़ित के चेहरे पर मुस्कान आई है।

थाना नसीरपुर क्षेत्र अन्तर्गत गांव भहोरी डाडा निवासी अनुज कुमार पुत्र मुरारी लाल ने मीसो एप पर 399 रुपये की ऑनलाइन शॉपिंग की थी। जिसे वापस करने के लिए गूगल से हेल्पलाइन नंबर निकाला तो रिफण्ड के नाम पर उनके साथ कुल 1,18,165 रुपये का फ्रॉड़ हुआ। शिकायतकर्ता द्वारा 1930 पर शिकायत दर्ज करायी गयी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के निर्देश पर साइबर सेल टीम ने समयबद्ध व तत्काल सम्बन्धित को पत्राचार करते हुए पीड़ित के कुल 87,120 रुपये वापस कराये है।

पुलिस के अनुसार अन्य बाकी बचे हुए रूपयों को वापस कराने की प्रक्रिया जारी है।

शिकायतकर्ता अनुज कुमार ने फिरोजाबाद पुलिस टीम का धन्यवाद व्यक्त करते हुए आभार प्रकट किया है।

कंटेनर की टक्कर से बुलेट सवार युवक की मौत, साथी घायल

फिरोजाबाद।

थाना टूंडला क्षेत्र अन्तर्गत रविवार को हाईवे पर कंटेनर ने बुलेट सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने घायल को सरकारी ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। हादसा थाना टूंडला क्षेत्र के हाइवे पर हजरतपुर फैक्ट्री के समीप हुआ। जहां एक तेज गति से आ रहे कंटेनर ने बुलेट सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि एक युवक घायल हो गया। दुर्घटना देख लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाने के साथ ही मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। मृतक की पहचान फिरोजाबाद के उर्वशी टॉकीज के पास रहने वाले प्रिंस (21) के रूप में हुई है। जबकि घायल साथी अक्षत उर्फ दीपक है जो कि फरिया थाना क्षेत्र के लखऊआ गांव का रहने

समय सीमा के अंदर समस्याओं का निस्तारण करे प्रशासन : मुख्यमंत्री

सीएम ने दी बच्चों को सीख- किताबें पढ़ो, सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग न करो

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए पीड़ितों के पास मुख्यमंत्री स्वयं चलकर पहुंचे। उनका प्रार्थना पत्र लिया और आश्वस्त किया कि सरकार सभी की उचित समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी समस्याओं का निस्तारण होगा। मुख्यमंत्री ने जनपदों के प्रशासनिक व पुलिस अफसरों को निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण समय सीमा के अंदर सुनिश्चित किया जाए।

'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान दो उद्यमियों ने अपनी समस्याएं रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) व जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतरीन इकोसिस्टम तैयार किया गया है। सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं। उद्यमियों की परेशानी को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कासगंज से आए पीड़ित ने मुख्यमंत्री के समक्ष पुलिस से जुड़ी शिकायत रखी। पीड़ित ने अपने प्रकरण में कार्रवाई पर देरी की शिकायत की। इस पर योगी ने पुलिस अधीक्षक को मामले का संज्ञान लेते हुए समस्या के समयबद्ध निराकरण का निर्देश दिया। वहीं एक प्रकरण पारिवारिक विवाद से भी जुड़ा आया। अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायत पर सीएम सख्त हुए, उन्होंने कहा कि ऐसे मामले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने पीड़ित को आश्वस्त किया कि नियमानुसार तत्काल कार्रवाई होगी।

'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ कुछ बच्चे भी आए थे। मुख्यमंत्री योगी ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। एक बच्चे के पास पहुंचे मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबें पढ़ो। सोशल मीडिया का प्रयोग उतना ही करो, जितनी आवश्यकता है। इसका अत्यधिक प्रयोग घातक है। मुख्यमंत्री ने मोबाइल आदि का प्रयोग भी कम करने की सलाह दी।

हमीरपुर में बैलगाड़ी से दुल्हन की हुई विदाई

पुरानी परंपरा और सादगी की मिसाल

हमीरपुर।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में आज के चकाचौंध भरे दौर में जहां शादियां बड़े-बड़े होटलों और महंगी गाड़ियों के दिखावे तक सिमट कर रह गई हैं। वहीं हमीरपुर जिले के मुस्करा कस्बे से एक ऐसी तस्वीर रविवार को सामने आई है जिसने न केवल सबका दिल जीत लिया, बल्कि बुंदेलखंड की विलुप्त होती परंपराओं को भी जीवंत कर दिया।

मुस्करा कस्बे के आर.आर. गार्डन में आज रविवार को सरीला के ग्राम पहरा निवासी पूनम यादव और मुस्करा के शिवनी निवासी बालेंद्र कुमार का विवाह संपन्न हुआ। इस शादी की सबसे खास बात इसकी सादगी रही, विदाई के समय जब लोग लग्जरी कारों की उम्मीद कर रहे थे। तब दुल्हन के परिवार ने बैलगाड़ी सजाकर अपनी बेटी को विदा किया। दुल्हन के दादा ने इस फैसले के पीछे की गहराई बताते हुए कहा कि यह शादी पूरी तरह सादगी से और दहेज रहित संपन्न हुई है।

आज के दौर में जहां लोग दिखावे में लाखों रुपए पानी की तरह बहा देते हैं। हमने फिजूलखर्ची से बचने और अपनी पुरानी परंपरा को सम्मान देने के लिए बैलगाड़ी से विदाई का निर्णय लिया कि बिना किसी शोर-शराबे और तामझाम के हुई यह विदाई पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह नजारा बुंदेलखंड की उस मिट्टी की याद दिलाता है।

कमरे में फांसी लगाकर युवक ने दी जान, जांच में जुटी पुलिस

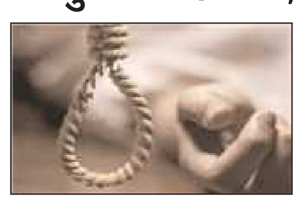

मीरजापुर।

शहर कोतवाली क्षेत्र के तरकापुर मोहल्ले में रविवार की शाम एक युवक ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तरकापुर निवासी श्यामलाल माली का 26 वर्षीय पुत्र किशन रविवार दोपहर से ही घर से बाहर था। शाम के समय उसका भाई घर के बगीचे में बने कमरे में गया तो कमरा अंदर से बंद मिला। कई बार आवाज देने और दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो उसने परिजन को इसकी जानकारी दी।

परिजन किसी तरह कमरे के भीतर पहुंचे तो किशन को पंखे से रस्सी के सहारे लटकता देख उनके होश उड़ गए। आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर मंडलीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शहर कोतवाल दया शंकर ओझा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

परमहंस महाविद्यालय प्रांगण में सजा रंगोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

रंगों और उत्साह से सराबोर हुआ परमहंस महाविद्यालय, रंगोत्सव बना आकर्षण का केंद्र

अयोध्या।

रामनगरी अयोध्या के परमहंस महाविद्यालय के प्रांगण में रामाय ट्रस्ट और श्री परमहंस शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में रंगोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रामाय ट्रस्ट और महाविद्यालय की प्रबंधिका वंदना उपाध्याय की ओर से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रंग-बिरंगे माहौल, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आपसी मिलन के साथ आयोजित इस कार्यक्रम ने सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया।कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुई। इसके बाद महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। लोकगीत, नृत्य और रंगारंग प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम में शामिल सैकड़ों महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रबंधिका वंदना उपाध्याय ने कार्यक्रम में आई सभी महिलाओं का स्वागत करते हुए उन्हें रंगोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

महिलाओं को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना चाहिए, ताकि वे समाज और परिवार दोनों के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम महिलाओं को एक मंच प्रदान करते हैं, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकती हैं और आपस में संवाद स्थापित कर सकती हैं।

... प्रयाग तुमको बुला रहा है' पर झूमे श्रोता

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विरासत कला उत्सव की चौथी शाम महुआ सुर संग्राम के विजेता व भोजपुरी गायक मोहन राठौर ने भोजपुरी व देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। उनके एक-एक गीत पर तालियां बजती रहीं। सोमवार को कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आचार्य (डॉ.)पंकज कुमार (पूर्व विभागध्यक्ष राजनीति विज्ञान ,इलाहाबाद विश्वविद्यालय), केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा, उपनिदेशक डॉ. आदित्य कुमार श्रीवास्तव तथा डॉ. प्रदीप भटनागर द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया।

देर शाम तक चले कार्यक्रम की शुरूआत भोजपुरी गायिका भावना सिंह ने देवी गीत से की। इसके बाद भावना सिंह ने 'मगन अपनी धुन में रहे मोरा सैयां, पग-पग लिए जाऊं तोहरे बलईयां' से की। इसके बाद 'रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे, कहे तोहसे सजना, पनिया के जहाज से पलटनिया बन अइहा हो पिया लेल्हे अइहा हो पिया सेन्दूर बंगाल से' जैसे गीतों की प्रस्तुति देकर खूब रंग जमाया। जैसे ही मंच पर प्रसिद्ध गायक भोजपुरी स्टार मोहन राठौर का आगमन हुआ, पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। उन्होंने लोगों की फरमाइश पर भी तमाम गीत गाए तथा वीर शहीदों को नमन करते हुए कुछ देशभक्ति गीत सुनाकर खूब वाहवाही लूटी। मोहन राठौर ने गाया 'सजा है संगम का कुंभ मेला प्रयाग तुमको बुला रहा है, चूनरिया में दाग लग गई, जिया हो बिहार के लाला, जो बीत गया वह दौर न आएगा, इस दिल में सिवा तेरे कोई और न आएगा। दिल दिया है जान भी देंगे ए वतन तेरे लिए' आदि गीत सुनाए। उनके गीतों पर खूब तालियां बजीं। कार्यक्रम के अंत में भोजपुरी गायक मोहन को केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने पौधा व शाल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सेवा पर्व के अंतर्गत आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले गोरखपुर के प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल वर्ग में प्रथम पुरस्कार दिव्याश, द्वितीय पुरस्कार अक्षिता नेगी, तृतीय पुरस्कार क्षितिज कश्यप, कॉलेज वर्ग में प्रथम पुरस्कार तरुण, द्वितीय पुरस्कार मोहित कुमार, तृतीय अंशिका अग्रवाल तथा प्रोफेशनल वर्ग में प्रथम पुरस्कार सौरभ रस्तोगी, द्वितीय पुरस्कार आशुतोष सिंह एवं तृतीय पुरस्कार अन्नू महाजन को प्रदान किया गया।

सेवाज्ञ संस्थानम् की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

अयोध्या।

सेवाज्ञ संस्थानम् की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ रविवार को सिद्धपीठ श्रीहनुमन्निवास, अयोध्या धाम में हुआ। उद्घाटन सत्र में सिद्धपीठ श्रीहनुमन्निवास महंत आचार्य मिथिलेश नंदिनीशरण महाराज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अयोध्या महानगर के संघ चालक डॉ. विक्रमा प्रसाद पाण्डेय एवं माधव झा की प्रेरणादायी उपस्थिति में इतिहास और विकास विषय पर सार्थक विमर्श हुआ।

जिसमें संदेश स्पष्ट रहा कि अच्छा दिखना नहीं, अच्छा करना ही समाज के लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से अवगत कराया गया

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में सोमवार को नगर जोन के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम व जागरूकता रैली में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है।

साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत नगर जोन के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

बंद बुढ़वल शुगर मिल पुन: चलाने की मांग जोर शोर से शुरू

बाराबंकी ।

उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जनपद की बंद पड़ी बुढ़वल चीनी मिल की सुरक्षा व तैनात कर्मचारियों पर हर साल पचास लाख रुपए खर्च हो रहा है। करीब अठारह साल से मिल बंद है जिसकी सुरक्षा में ही अब तक नौ करोड़ खर्च हो चुके हैं। यदि मिल बनकर चालू हो गई होती तो इलाके के गन्ना किसानों के साथ सरकार भी फायदे में होती जो सरकार का हर साल सुरक्षा में खर्च हो रहा वह न होता।

बताया जा रहा है कि बुढ़वल मिल को नए सिरे से बनवाने के लिए सरकार ने पचासी करोड़ दिए थे और बीस लाख रुपए जमीन सुरक्षित करने के लिए तार खिंचवाने के लिए दिए थे। तार खींच कर जमीन से अवैध कब्जा भी हट गया लेकिन इसी बीच यहां का पैसा छाता मिल चला गया।सूत्र बताते हैं कि छाता मिल को चलाने के लिए बुढ़वल मिल के पैसे को मिलाकर एक सौ पचास करोड़ भेजा गया लेकिन वहां गन्ना उत्पादन न होने से मिल चल नहीं सकी और पैसा सरकार को वापस चला गया। चूंकि बंद पड़ी मिल बुढ़वल केन मिल है और इस इलाके में गन्ना भी खूब है लिहाजा इसे बनवाकर चलवाने की मांग अब तेजी से शुरू हो गई है। भाजपा नेता निवर्तमान विधायक शरद अवस्थी जहां समय समय पर इसकी मांग मुख्यमंत्री से करते रहते हैं। वहीं एम एल सी सहित क्षेत्र के विधायक ने भी दोनों सदनों में मांग उठाई है। सरकार इधर यदि ध्यान दे दे तो मिल बनकर चल जाए और गन्ना किसानों के जीवन में खुशहाली आए। केंद्र सरकार के बजट में भी बंद पड़े कल कारखानों को चलाने की बात कही गई थी। बजरंग दल व विहिप में काम कर चुके सुनील सिंह कहते है कि रामनगर क्षेत्र के गन्ना किसानों के लिए सरकार इसे बनवाकर चलवाए जिससे रोजी रोजगार से भी स्थानीय लोग जुड़ेंगे।अब अहम सवाल यह बना है कि इस मामले की कड़ी पैरवी कौन करता है। प्रभारी जी एम जिला गन्ना अधिकारी दुष्यंत कुमार ने बताया कि रामनगर इलाके में गन्ना बोया जाता है। मिल गेट है। बुढ़वल मिल बनना या न बनना सरकार के हाथ हैं।

अंत्येष्टि स्थल का काम ठप, भड़के ग्रामीण

मीरजापुर।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में ड्रमंडगंज क्षेत्र के नौगवां ग्राम पंचायत में लगभग 25 लाख रुपये की लागत से बन रहा अंत्येष्टि स्थल लापरवाही की भेंट चढ़ गया। करीब दो वर्ष पहले शुरू हुआ निर्माण कार्य पिछले छह महीने से पूरी तरह ठप पड़ा है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम सचिव और ग्राम प्रधान की उदासीनता के कारण महत्वपूर्ण योजना अधूरी पड़ी हुई है। सरकार की ओर से स्वीकृत धनराशि मिलने के बावजूद निर्माण कार्य में रुचि नहीं ली जा रही है। नतीजतन, गांव के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए अभी भी पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से ही इसमें लापरवाही बरती जा रही है। जिम्मेदार अधिकारियों ने भी समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया, जिससे काम अधूरा रह गया।

बताया जाता है कि बीते 26 दिसंबर को जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) संतोष कुमार श्रीवास्तव ने निमार्णाधीन स्थल का निरीक्षण किया था। उस दौरान उन्होंने काम बंद मिलने पर ग्राम सचिव को कड़ी फटकार लगाते हुए जल्द से जल्द निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद आज तक काम शुरू नहीं हो सका है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

साथ ही उन्होंने लापरवाही बरतने वाले ग्राम सचिव के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की है।

इस संबंध में एडीओ पंचायत रूपेश श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि नौगवां ग्राम पंचायत में निमार्णाधीन अंत्येष्टि स्थल का काम जल्द पूरा कराने के लिए ग्राम सचिव और प्रधान को निर्देशित किया गया है।

खाड़ी क्षेत्र तनाव से तेल-तिलहन बाजार में मजबूती, मूंगफली तेल में गिरावट

- गर्मी में पाम और पामोलीन तेल की मांग बढ़ी और बाजार धारणा मजबूत होने से इनके दाम बढ़े

नई दिल्ली ।
ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के संभावित हमलों के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा है। होर्मुज जलडमरूमुख से तेल और तिलहन के आयात पर असर की आशंका ने बाजार धारणा को मजबूत किया। विशेषकर सोयाबीन तेल की आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है, जो भारत में आयातित तेलों में सबसे महत्वपूर्ण है। बीते सप्ताह सरसों की नई फसल की आवक बढ़ी, बावजूद इसके दाम मजबूत रहे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण सप्लाई की चिंताएं बनीं। हरियाणा, राजस्थान और गुजरात सरकारों द्वारा एमएसपी पर सरसों खरीद का ऐलान किसानों के लिए राहत का कारण बना। सरकारी स्टॉक को बढ़ाकर 20-25 लाख टन बनाए रखने की सलाह दी गई है। कांडला बंदरगाह पर सूरजमुखी तेल 162 रुपए प्रति किलो और सोयाबीन रिफाइंड तेल 138 रुपए प्रति किलो रहे। सूरजमुखी तेल महंगा होने से दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में सोयाबीन तेल पर मांग बढ़ी। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि सोयाबीन की बिजाई से पहले सरकारी स्टॉक को नियंत्रित रूप से जारी किया जाए, ताकि अक्टूबर में किसानों को बेहतर दाम मिल सकें। सरकारी एजेंसियों की मूंगफली की बिक्री के कारण मूंगफली तेल के दाम गिरावट पर रहे। गर्मी में पाम और पामोलीन तेल की मांग बढ़ी और युद्ध की वजह से बाजार धारणा मजबूत होने से इनके दाम बढ़े। नवरात्र और शादी-विवाह के मौसम में बिनौला तेल की मांग बढ़ी। कमजोर आवक और मजबूत बाजार धारणा ने बिनौला तेल के दामों में सुधार किया। सूत्रों के मुताबिक बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 6,600-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,325-2,425 रुपये और 2,355-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

जैक्वार समूह का लाइटिंग व्यवसाय के राजस्व को 1,700 करोड़ करने का लक्ष्य

- वित्त वर्ष 2024-25 में समूह का कुल कारोबार 7,493 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली ।
बाथरूम और लाइटिंग समाधान में अग्रणी जैक्वार समूह ने अपने लाइटिंग व्यवसाय के विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लाइटिंग व्यवसाय वर्तमान में समूह के कुल राजस्व का 8-10 प्रतिशत योगदान देता है। वित्त वर्ष 2024-25 में समूह का कुल कारोबार 7,493 करोड़ रुपये था और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लगभग 8,300 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

चालू वित्त वर्ष में लाइटिंग व्यवसाय से लगभग 700 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। जैक्वार लाइटिंग के पोर्टफोलियो में एलईडी, व्यावसायिक, आउटडोर और फसाड लाइटिंग के साथ-साथ उपभोक्ता प्रकाश उत्पाद जैसे बल्ब और ट्यूब लाइट शामिल हैं। कंपनी तकनीकी नवाचार और उत्पाद विविधीकरण के माध्यम से बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में लाइटिंग व्यवसाय का राजस्व 1,600-1,700 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इसके लिए भिवाड़ी में नए लाइटिंग संयंत्र के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश योजना में शामिल है। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति की तेज गति के कारण अगले दो-तीन वर्षों में अतिरिक्त निवेश 50-60 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जैक्वार लाइटिंग का यह रणनीतिक विस्तार समूह के कुल राजस्व में लाइटिंग का योगदान बढ़ाने के साथ-साथ तकनीकी उन्नति और उत्पादन क्षमता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मिडिल ईस्ट तनाव से एशिया में ऊर्जा संकट बढ़ा

मुंबई ।
मिडिल ईस्ट में हालिया सैन्य घटनाओं ने एशिया में ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर डाला है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद शुरू हुई जवाबी कार्रवाई से तेल और गैस उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही लगभग ठप हो गई है। यह मार्ग खाड़ी क्षेत्र के बड़े तेल उत्पादक देशों से एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों तक ऊर्जा पहुंचाने के लिए अहम माना जाता है। ऊर्जा आपूर्ति में बाधा के कारण एशिया के कई देशों में संकट के संकेत दिखने लगे हैं। बिजली कंपनियों और रिफाइनरियों के पास ईंधन का भंडार घटने लगा है। सिंगापुर में जहाजों को ईंधन उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने आपूर्ति सीमित कर दी है। फिलीपींस ने सरकारी दफ्तरों के कामकाज के दिन कम कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश ने रमजान के दौरान सजावटी रोशनी सीमित की है। चीन ने घरेलू जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए रिफाइनरियों से ईंधन निर्यात कम करने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा संकट का असर उद्योगों पर भी पड़ रहा है। पाकिस्तान के एक कारोबारी का कहना है कि गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण उत्पादन में 35 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वहीं कतर और संयुक्त अरब अमीरात में हवाई अड्डों के बंद होने से अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक माल भेजना मुश्किल हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह स्थिति लंबी खिंचती है तो एशियाई देशों में ऊर्जा संकट और गंभीर हो सकता है। उत्पादन लागत और ईंधन कीमतें बढ़ सकती हैं, जबकि सरकारों को बचाव के अस्थायी उपाय करने पड़ सकते हैं।

ईवी स्टार्टअप की भागीदारी बढ़ाने ऑटो पीएलआई मानदंडों में ढील की जरूरत: यूलर मोटर्स

यूलर मोटर्स ने अब तक लगभग 1,500 करोड़ रुपए का निवेश किया

नई दिल्ली ।
यूलर मोटर्स ने कहा है कि भारत की ऑटोमोबाइल पीएलआई योजना के वर्तमान मानदंड छोटे और मध्यम ईवी स्टार्टअप्स के लिए बहुत कठोर हैं। योजना के तहत, एक ऑटो निर्माता का न्यूनतम वैश्विक समूह राजस्व 10,000 करोड़ रुपये और अचल संपत्तियों में निवेश 3,000 करोड़ रुपये होना आवश्यक है। कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार ऐसे उच्च मानक यूलर मोटर्स जैसी कंपनियों को योजना में भाग लेने से रोकते हैं। कंपनी छोटे इलेक्ट्रिक ट्रकों और तिपहिया वाहनों के क्षेत्र में सक्रिय है और इसके पास इलेक्ट्रिक चार-पहिया और तीन-पहिया वाणिज्यिक कार्गो वाहन हैं। यूलर मोटर्स ने अब तक लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है और अगले दो से ढाई वर्षों में 500 से 1,000 करोड़ रुपये और निवेश करने की योजना है। उनका कहना है कि कुल निवेश को ध्यान में रखते हुए, कंपनी अचल संपत्तियों में 3,000 करोड़ रुपये के मानदंड की राह पर है। कुमार ने सुझाव दिया कि केवल अचल संपत्तियों पर जोर देने की बजाय योजना का दायरा स्टार्टअप द्वारा किए गए कुल निवेश तक बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे अधिक स्टार्टअप्स तकनीक और आरएंडडी में निवेश कर सकेंगे और भारत की हरित गतिशीलता यात्रा में योगदान दे सकेंगे। कुमार ने जोर देकर कहा कि चार-पहिया ईवी क्षेत्र में सक्रिय कंपनियां बहुत कम हैं, इसलिए सरकार को छोटे स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना चाहिए।

कंपनी ने मांग की है कि पीएलआई योजना को अधिक लचीला बनाया जाए ताकि छोटे और मध्यम ईवी स्टार्टअप्स भी योजना का लाभ उठा सकें। इससे देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और हरित वाहनों के विकास को मजबूती मिलेगी।

भारत में अब कुल 308 अरबपति, मुकेश अंबानी बने सबसे अमीर

- पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए

मुंबई ।
हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2026 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब कुल 308 अरबपति हो गए हैं, जो पिछले साल से 24 अधिक हैं। इस बढ़ोतरी के साथ भारत अरबपतियों की संख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, केवल अमेरिका और चीन से पीछे। पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए। कुल अरबपतियों में लगभग 7 फीसदी महिलाएं हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक साल में उनकी संपत्ति लगभग 10 फीसदी बढ़कर 112.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इस दौरान 199 अरबपतियों की संपत्ति में वृद्धि हुई, जबकि 109 की संपत्ति में कमी या कोई खास बदलाव नहीं हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने। उनकी कुल संपत्ति लगभग 9.8 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पिछले साल की तुलना में करीब 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। गौतम अडानी अडानी ग्रुप के प्रमुख दूसरे स्थान पर हैं, हालांकि उनकी संपत्ति में 14 फीसदी की गिरावट आई है और अब यह 7.5 लाख करोड़ रुपये रह गई है। तीसरे स्थान पर रोशनी नाडर मल्होत्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी की चेयरपर्सन हैं। उनकी संपत्ति लगभग 3.2 लाख करोड़ रुपये है और वह भारत के शीर्ष 10 अमीरों में इकलौती महिला हैं।

इस साल सबसे अधिक नए अरबपति हेल्थकेयर क्षेत्र से सामने आए हैं, कुल 53 नए नाम शामिल हुए। इसके बाद औद्योगिक उत्पाद क्षेत्र से 36 और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र से 31 नए अरबपति जुड़े। संपत्ति के मामले में ऊर्जा क्षेत्र सबसे आगे रहा। केवल 8 अरबपतियों के पास 18.3 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो भारत के कुल अरबपति धन का लगभग 16 फीसदी है। साइरस एस पूनावाला, सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के संस्थापक और चेयरमैन, इस साल सबसे बड़े वेल्थ गेनर बने। उन्होंने केवल एक साल में लगभग 0.91 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जोड़ी।

तांबा महंगा होने, रुपया कमजोर पड़ने से 5-15 प्रतिशत बढी एसी की कीमतें

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख एयर कंडीशनर (एसी) कंपनियां डाइकिन, वोल्टास, ब्लू स्टार, एलजी, हायर और मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज ने अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 5 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनियों का कहना है कि तांबे जैसी महत्वपूर्ण कच्ची सामग्री की बढ़ी कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और माल ढुलाई खर्च में वृद्धि मुख्य कारण हैं। इसके अलावा नए ऊर्जा दक्षता मानकों के लागू होने से एसी और अधिक कुशल बने हैं, जिससे उत्पादन लागत भी बढ़ गई है। फरवरी से अप्रैल तक लागू होने वाली यह कीमत बढ़ोतरी गर्मी के मौसम से ठीक पहले हो रही है, जब एसी की मांग अपने चरम पर होती है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि भीषण गर्मी और नए स्टार-रेटेड मॉडलों से बिजली की बचत की उम्मीद से इस साल बिक्री की गति मजबूत रहने वाली है। डाइकिन इंडिया ने अप्रैल से 12 फीसदी, ब्लू स्टार ने फरवरी में 8-10 फीसद और वोल्टास ने 5-15 फीसदी की बढ़ोतरी की। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत मूल्य समायोजन के लिए आवश्यक थी।

सोना साप्ताहिक आधार पर 5060 सस्ता, चांदी में 10000 रुपए की गिरावट

- मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित निवेश वाले एसेट्स की मांग बढ़ी

नई दिल्ली ।
अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बावजूद भारत में सोने की कीमतों में पिछले सप्ताह गिरावट देखने को मिली। 24 कैरेट सोना 5,060 रुपये सस्ता होकर दिल्ली में 1,63,800 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 22 कैरेट सोना भी 4,650 रुपये गिरकर 1,50,150 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,100 रुपये घटकर 1,64,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार दूसरे दिन की मुनाफासूली ने घरेलू बाजार पर दबाव डाला। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,63,640 और 22 कैरेट 1,47,690 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। पुणे और बेंगलुरु में भी यही कीमतें दर्ज की गई हैं। अन्य प्रमुख शहरों जैसे जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने का भाव 1,63,800 रुपए और 22 कैरेट 1,50,150 है। अहमदाबाद और भोपाल में 24 कैरेट 1,63,700 और 22 कैरेट 1,50,050 रुपए पर कारोबार हो रहा है। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित निवेश वाले एसेट्स की मांग बढ़ी। हाजिर सोना 14.70 डॉलर बढ़कर 5,095.81 प्रति औंस पर पहुंच गया। चांदी की कीमत में भी साप्ताहिक गिरावट रही। दिल्ली में 8 मार्च की सुबह चांदी 2,85,000 प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 2,71,700 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर चांदी 1.4 फीसदी बढ़कर 83.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। जनवरी 2026 में चांदी ने 4,00,000 रुपए के आंकड़े को पार किया था।

पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों से प्रभावित होगा शेयर बाजार

- ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव बाजार में बढ़ा सकता है अस्थिरता

मुंबई । इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे जुड़ी भू-राजनीतिक घटनाओं पर निर्भर करेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस संघर्ष के चलते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) की बिकवाली बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक संघर्ष का स्पष्ट परिणाम सामने नहीं आता और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट नहीं होती, विदेशी निवेशक बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश करने की संभावना कम है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड इस सप्ताह 8.52 प्रतिशत उछलकर 92.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च तेल कीमतें भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए नकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करता है और बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड का 90 डॉलर से ऊपर होना भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए बुरी खबर है। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजार के रुझान और एफपीआई की गतिविधियां भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगी।

यदि वैश्विक बाजार सकारात्मक रहेगा, तो कुछ हद तक भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों में तेजी इसे दबाव में रख सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर निवेशक 12 मार्च को आने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ये आंकड़े निवेशकों को अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और मौद्रिक नीति के रुझान का संकेत देंगे।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों ने त्योहारी तिमाही में दर्ज की जोरदार वृद्धि

- कंपनी के औसत मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता बढ़कर 2.43 करोड़ हुए

नई दिल्ली । भारत की शीर्ष ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों स्विगी, मैजिकपिन और जोमैटो ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज की है। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार त्योहारों के दौरान बढ़ी मांग, किफायती ऑफर और बढ़ते उपयोगकर्ता आधार ने ऑर्डर की संख्या में तेजी लाने में मदद की। लगातार निवेश, नवाचार और मूल्य-आधारित प्रस्तावों से इस क्षेत्र की वृद्धि की गति अगले तिमाहियों में भी बनी रहने की उम्मीद है। मैजिकपिन के प्रमुख अधिकारी ने कहा कि तिमाही शानदार रही। दिल्ली-एनसीआर जैसे परिपक्व बाजार स्थिर रहे, जबकि बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई जैसे शहरों में सकल ऑर्डर मूल्य में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। स्विगी ने बताया कि तिमाही में वृद्धि नई गति, चयन और सामर्थ्य के प्रस्तावों की वजह से आई। कंपनी के औसत मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता सालाना 22 प्रतिशत बढ़कर 2.43 करोड़ हो गए, जबकि कुल ऑर्डर 23 करोड़ से बढ़कर 29.4 करोड़ हो गए। जोमैटो के फूड डिलीवरी व्यवसाय ने भी इस तिमाही में सकारात्मक रुझान दिखाया। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 9,846 करोड़ रुपये का शुद्ध ऑर्डर मूल्य दर्ज किया, जो सालाना 16.6 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञ मानते हैं कि त्योहारी सीजन के अलावा निरंतर निवेश, प्रचार और मूल्य-आधारित रणनीतियों से कंपनियों की वृद्धि गति आने वाले तिमाहियों में भी बनी रहेगी।

देश की प्रमुख आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.81 लाख करोड़ घटा

- शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस और इंफोसिस के मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई

नई दिल्ली ।
पिछले सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट की वजह से देश की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2,81,581.53 करोड़ रुपये की कमी आई है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस ही ऐसी कंपनियां रहीं, जिनके मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 53,952.96 करोड़ रुपये घटकर 10,55,567.27 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 46,936.82 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 9,40,049.82 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 46,552.3 करोड़ रुपये घटकर 13,19,107.08 करोड़ रुपये रह गया। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 45,629.03 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,43,208.36 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,934.56 करोड़ रुपये घटकर 5,91,136.03 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 14,750.39 करोड़ रुपये बढ़कर 19,01,583.05 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन भी 3,459.99 करोड़ रुपये चढ़कर 5,30,546.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई

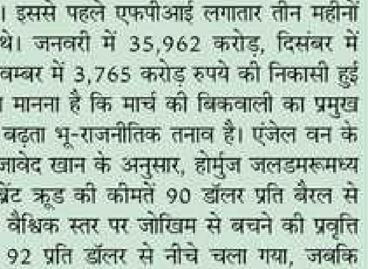

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले 21,000 करोड़

फरवरी में भारी निवेश के बाद मार्च में बिकवाली

नई दिल्ली ।
विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय इक्विटी से करीब 21,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। फरवरी में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों में सबसे बड़ी मासिक निवेश राशि थी। इससे पहले एफपीआई लगातार तीन महीनों तक शुद्ध विक्रेता रहे थे। जनवरी में 35,962 करोड़, दिसंबर में 22,611 करोड़ और नवम्बर में 3,765 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मार्च की बिकवाली का प्रमुख कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव है। एंजेल वन के वरिष्ठ विश्लेषक वकार जावेद खान के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के डर ने ब्रेंट क्रूड की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचा दी, जिससे वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी। इस दौरान रुपया 92 प्रति डॉलर से नीचे चला गया, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड के प्रतिफल में वृद्धि हुई। बाजार के जानकारों ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष की अनिश्चितता, हालिया बाजार सुधार और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने एफपीआई की बिकवाली को और तेज किया।

उत्तर प्रदेश विद्युत आयोग ने उपभोक्ताओं को दिलाई बड़ी राहत

अब वापस होंगे स्मार्ट मीटर के नाम पर वसूले 127 करोड़

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर वसूली गई अतिरिक्त राशि को लौटाने का आदेश दिया है। आयोग ने कहा कि 1 अप्रैल 2025 के बाद जो उपभोक्ताओं से अधिक पैसे लिए गए हैं, उन्हें लगभग 127 करोड़ रुपये बिजली बिलों में समायोजित कर वापस किया जाए। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आयोग में याचिका दाखिल की थी। उन्होंने बताया कि नए कनेक्शन पर सिंगल फेज में 6016 रुपये और थ्री फेज में 11341 रुपये लिए गए, जबकि वास्तविक शुल्क सिंगल फेज 2800 रुपये और थ्री फेज 4100 रुपये था। इस अवधि में 10 सितंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच कुल 3,53,357 नए कनेक्शन जारी किए गए और इसी दौरान अतिरिक्त राशि वसूली गई। आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह ने याचिका पर सुनवाई कर यह आदेश दिया।

टी-20 विश्व कप : सबसे तेज शतक लगाने वालों में फिन एलेन सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप में तेज शतक लगाने वालों में अगर छह लोगों की सूची देखा जाए तो उसमें कोई भी भारतीय नहीं है। इस सूची में एक समय पर क्रिस गेल का दबदबा था। जो इस विश्वकप में टूट गया है। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंदों में शतक जड़ दिया और 48 गेंदों में 105 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस प्रदर्शन के साथ बेथल टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इससे पहले न्यूजीलैंड के फिन एलेन ने विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों में शतक बनाकर यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक दर्ज किया था। इस कारनामे के दौरान वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने साल 2016 के टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक लगाया था, जिसे अब बेथल ने पीछे छोड़ दिया।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में क्रिस गेल की छाप अब भी बनी हुई है। गेल ने साल 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया और साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जमाया था। उनके शतक में 57 गेंदों में 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिससे उन्हें यूनिवर्स बॉस का खिताब भी मिला।

इस सूची में पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक का नाम है, जिन्होंने 2026 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में शतक बनाया। वहीं, छठवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम का नाम है, जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 51 गेंदों में शतक जड़ा था।

जेकब बेथल का यह रिकॉर्ड उनके युवा करियर की एक और बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। इस शतक ने न केवल टीम इंग्लैंड को सेमीफाइनल में मजबूती दी, बल्कि टी-20 विश्व कप के इतिहास में बेथल का नाम भी सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमर कर दिया। उनके खेल से यह साफ हो गया कि युवा खिलाड़ी बड़े मुकाबलों में दबाव में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले टॉप-6 बैटर

फिन एलेन- 33 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2026)

जेकब बेथल-45 गेंदों में बनाम भारत (2026)

क्रिस गेल-47 गेंदों में बनाम इंग्लैंड (2016)

क्रिस गेल-50 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2007)

हैरी ब्रूक- 50 गेंदों में बनाम पाकिस्तान (2026)

ब्रैंडन मैकुलम- 51 गेंदों में बनाम बांग्लादेश (2012)

फीफा विश्व कप 2026 के लिए मेक्सिको में 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घोषणा की है कि इस वर्ष होने वाले 2026 फीफा विश्व कप 23वां फीफा विश्व कप होगा जो कि फुटबॉल का एक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट है. के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडालाजारा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शीनबाम ने कहा कि सरकार जलिस्को और पूरे देश के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विश्व कप के दौरान मेक्सिको आने वाले लाखों दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में एक सैन्य अभियान में कुख्यात कार्टेल सरगना की मौत के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा बढ़ गई है। 22 फरवरी को उसकी मौत के बाद जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के सदस्यों ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कों को जाम किया और कई वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा योजना के तहत 20,000 सैनिकों और 55,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निजी सुरक्षा कंपनियों के कर्मियों को भी शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 2,500 सैन्य और नागरिक वाहन, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विस्फोटक व अन्य संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की मदद ली जाएगी।

मेक्सिको के सैन्य अधिकारी को इस बड़े सुरक्षा अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेक्सिको पेश करना है। साथ ही, सरकार को उन खतरों का भी सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जनवरी से विशेष प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा। मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट और कनाडा के साथ मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा। मेक्सिको में कुल 13 मैच खेले जाएंगे, जिनमें पांच मैच मेक्सिको सिटी में, चार ग्वाडालाजारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे।

भारतीय वॉलीबॉल के 'गॉड' जिम्मी जॉर्ज : एक ऐसा खिलाड़ी जिसने खेल के लिए छोड़ दिया था मेडिकल करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वॉलीबॉल आज भी लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट और अन्य बड़े खेलों से पीछे है, लेकिन इस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले एक महान खिलाड़ी का नाम हमेशा याद किया जाता है जिम्मी जॉर्ज। उन्हें भारतीय वॉलीबॉल का 'गॉड' कहा जाता है। उनका जन्म 8 मार्च 1955 को केरल के कन्नूर जिले के पेरावूर में हुआ था। उनके पिता जोसफ जार्ज एक वकील होने के साथ विश्वविद्यालय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी भी थे, जबकि उनकी मां मैरी जॉर्ज थीं। परिवार में खेल का माहौल होने के कारण जिम्मी को बचपन से ही वॉलीबॉल से लगाव हो गया था।

जिम्मी पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे और उन्होंने सरकारी कॉलेज में मेडिकल सीट हासिल कर ली थी, लेकिन वॉलीबॉल के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर खेल को ही अपना करियर बना लिया। महज 16 साल की उम्र में वह केरल स्टेट टीम का हिस्सा बन गए थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई पुरस्कार जीते और केरला यूनिवर्सिटी की टीम को 1973 से 1976 के बीच लगातार चार ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 1973 में वह टीम के कप्तान भी रहे। साल 1974 में तेहरान में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम का हिस्सा बने। हालांकि भारत उस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन 19 वर्षीय जिम्मी जॉर्ज की प्रतिभा ने सभी का ध्यान खींच लिया। 1976 में उन्होंने वॉलीबॉल पर पूरा ध्यान देने के लिए मेडिकल कॉलेज छोड़ दिया और केरल पुलिस में शामिल हो गए।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

– चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

अहमदाबाद (एजेंसी)। अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे।

भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्रॉफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी।

टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए, जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्ड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था।

इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।

अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रतो बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट : न्यूजीलैंड के रैंडेल ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर इतिहास रचा

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के उभरते हुए तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए इस गेंदबाज ने लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया। रैंडेल ने यह उपलब्धि उन्होंने प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ बनाया। एक रिकॉर्ड के अनुसारसाल 1772 में पहला मान्यता प्राप्त फर्स्ट क्लास मैच खेले जाने के बाद से ही अब तक किसी भी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट नहीं लिए थे। ऐसे में रैंडेल यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये है। रैंडेल ने अपने दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर हैरी कूपर जबकि इसके बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर पूर्व टेस्ट बल्लेबाज जीत रावल को आउट कर दिया। इसके बाद लगातार तीन और गेंदों पर तीन विकेट लिए। ऑलराउंडर क्रिस्टीयन क्लार्क का विकेट उनका पांच विकेट था। रैंडेल इस रिकार्ड को बनाने से बेहद खुश नजर आये। उन्होंने कहा कि ये किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने बताया कि उनका ध्यान केवल सही लाइन और लेंथ पर गेंद डालने का था। हैट्रिक के बाद भी वह विकेट लेने पर ध्यान देते रहे। रैंडेल ने अपने अगले ओवर में दो और विकेट लिए। उनकी इस गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की पूरी टीम केवल 82 रन पर ही सिमट गयी।

कनाडा ने शीबिलीव्स कप में अर्जेंटीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया

हैरिसन (अमेरिका)। गोलकीपर कैलेन शेरिडन ने शुरुआती दो पेनल्टी बचाई जिससे कनाडा ने शीबिलीव्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में गोल रहित ड्रॉ के बाद अर्जेंटीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया। जॉर्डिन हुइतेमा को पहले हाफ में कनाडा की ओर से गोल दागने का स्वर्णिम मौका मिला था लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर सोलाना परेरा ने उनके शॉट पर हाथ मार दिया जिसके बाद गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई। शीबिलीव्स कप के नए नियमों के अनुसार मैच में अतिरिक्त समय का खेल नहीं होता और नतीजे के लिए सीधे पेनल्टी शूट आउट का सहारा लिया जाता है।

शेरिडन ने अर्जेंटीना के शुरुआती दो प्रयासों को नाकाम किया और कनाडा ने तब जीत सुनिश्चित की जब विरोधी टीम की वेनिना प्रेनिगर का शॉट क्रॉसबार से ऊपर से बाहर निकल गया।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नही होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नही मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें ।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते है पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नही भेजे जा सके ।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालाकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नही पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हराया, मेसी और डी पॉल ने मारा गोल

बाल्टीमोर (एजेंसी)। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल और कप्तान लियो मेसी के गोल की मदद से इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने 3 अंक हासिल किए। मियामी ने 17वें मिनट में डी पॉल की मदद से पहला गोल कर बढ़त बनाई। बर्टेराम ने बाईं ओर से दबाव बनाया और एंडलाइन के पास गेंद पर कब्जा किया, फिर बॉक्स के अंदर सेगोविया के लिए पास वापस किया। फिर सेगोविया ने बॉक्स के दाईं ओर डी पॉल को पाया, जहां एल मोटेरसिटो ने टच लिया और फिर दाएं पैर से टॉप-लेफ्ट कॉर्नर पर हिट किया। यह असिस्ट सेगोविया का इस रेगुलर सीजन का तीसरा असिस्ट था। मेसी ने 27वें मिनट में दूसरा गोल करके इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल से मेसी के इस रेगुलर सीजन में तीन गोल हो गए, जबकि यह असिस्ट सिल्वेटी का पहला गोल था। यह गोल इंटर मियामी के लिए मेसी का 80वां गोल था।

मेजबान टीम की तरफ से दूसरे हाफ में 75वें मिनट में ताई बारिबो ने पहला गोल किया। इंटर मियामी की सीजन में यह लगातार दूसरी जीत है। हेड कोच जेवियर माशेरानो ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहला हाफ बहुत अच्छा था। हमने गेम को नियंत्रित किया, हमने फर्क पैदा किया और मौके बनाए। शायद दूसरे हाफ में हमने ज्यादा संघर्ष किया। मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक चीजों को महत्व देना होगा। तीन अवे गेम में, हमने दो जीत हासिल की हैं। सुधार करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जीत के बाद सुधार करना हमेशा बेहतर होता है।' इंटर मियामी का अगला मुकाबला बुधवार को कॉनकाकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 के पहले लेग में नैशविले एससी से होगा।

भारत को एएफसी महिला एशियाई कप में जापान ने 11–0 से रौंदा

पर्थ। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0-11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5-0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे। जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। 2014 और 2018 के चैंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला। चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी। जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45+5वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे।

ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में हारे लक्ष्य लक्ष्य, लिन चुन–यी ने दी मात

बर्मिंघम । भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन यहां ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अपने विरोधी लिन चुन–यी से हार गए। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में फिर से चैंपियन देखने का देश का इंतजार जारी रहा। 24 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन बाएं हाथ के ताइवानी शटलर की चुनौती को पार नहीं कर सके और कड़े खिताबी मुकाबले में 15–21, 20–22 से हार गए। यह सेन की लिन से लगातार पांचवी हार थी और टूर्नामेंट में दूसरे रनर–अप रहे। उन्होंने 2022 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके थे। सेन ने शनिवार को सेमीफाइनल में मुश्किल जीत के दौरान छालों और ऐंठन से जूझते हुए जीत हासिल की। उन्होंने पूरे हफ्ते एक जोशीला अभियान चलाया जिसमें लिन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में हारने से पहले कई ऊंची रैंक वाले विरोधियों को हराया। इतिहास में सिर्फ दो भारतीय प्रकाश पादुकोण (1980) और पी गोपीचंद (2001) ने ऑल इंग्लैंड ओपन में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता है।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

– एकमात्र गुलाबी टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया

बर्मिंघम (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलयाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला।

इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने अच्छी बल्लेबाजी कर तीसरे दिन भारत को 6 विकेट पर 105 रनों से आगे बढ़ाया। प्रतिका और राणा ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। प्रतिका ने अर्धशतक लगाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन बनाये। एश्ले गार्डनर ने राणा को 30 रन पर आउट कर भारतीय टीम को करारा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय टीम के निचले क्रम की बल्लेबाज अधिक नहीं खेल पायीं। केवल प्रतिका ही अंत तक खेलती रही। प्रतिका 137 गेंदों में 8 चौके लगाकर 63 रन बनाकर आउट हुई। भारत की पूरी टीम दूसरी पारी में 149 रन ही बना पायी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन जबकि भारतीय टीम ने 198 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबानों को पहली पारी के आधार पर काफी बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद जीत के लिए मिले 25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में ही जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच में सदरलैंड छायी रहीं । सदरलैंड ने दोनो पारी को मिलाकर कुल छह विकेट लेने के साथ ही 129 रन भी बनाये।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महज 4 रन बनाकर आउट हुई. प्रतीका रावल ने 3 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड का शिकार बनीं।पहली पारी में हैमिल्टन ने भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने ही केवल अर्धशतक लगाया। भारतीय टीम पहली पारी में 62.4 ओवर में 198 रन पर आउट हुई एनाबेल ने चार विकेट लिए जबकि लुसी ने तीन विकेट लिए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहीं रही। एलिसा भी सस्ते में आउट हो गई, लेकिन एलिसे पेरी और एनाबेल ने चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। पेरी ने 116 गेंदों में 76 रन बनाए जबकि एनाबेल ने 129 रन की शानदार पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई टीम को 323 रन तक पहुंच गया। वहीं भारतीय टीम की ओर से सयाली सतघरे ने सबसे अधिक चार विकेट लिए।

मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम विश्वकप में भाग नहीं ले पायी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नही होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें ।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके ।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालाकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

डायबिटीज में खतरनाक स्ट्रोक

'स्ट्रोक' मौत के दरवाजे पर दस्तक के समान है। अक्सर सुना जाता है कि अमुक व्यक्ति के पिता या बड़े भाई को 'स्ट्रोक' आया और तब से वे बिस्तर पर पड़े रहते हैं। ऐसे मरीजों को डायबिटीज व ब्लडप्रेशर पहले से जरूर था लेकिन जब से उन्हें स्ट्रोक आया, तब से उनका टहलना बिल्कुल बंद है। 'स्ट्रोक' के बाद चलते समय उन्हें सहारे की जरूरत आ गयी। ऐसे लोग भावुक भी हो जाते हैं। वे अपना दुखड़ा सुनाते समय रोने लगते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें 'स्ट्रोक' के बाद गुस्सा आने लगता है। याददाश्त भी कमजोर होने की शिकायतें सामने आती हैं।

दरअसल, 'स्ट्रोक' अचानक आयी बेहोशी या फालिज या दोनों के एक साथ अटैक से आता है। बेहोशी तो ठीक हो गयी पर फालिज का हाथ या पैर पर असर बना रहा। पहले इस किस्म के स्ट्रोक के मामले ज्यादातर बूढ़े लोगों के साथ होते थे लेकिन अब डायबिटीज के बढ़ते प्रकोप से कम उम्र में भी लोगों को स्ट्रोक हो रहे हैं। आमतौर पर 50 की उम्र से ही डायबिटिक मरीज स्ट्रोक का शिकार होता है। निष्कर्ष निकला है कि 'स्ट्रोक' दुनिया भर में मौत का सबसे आम सौदागर है। मौतों में 'स्ट्रोक' तीसरा अहम कारण बन रहा है। डियबिटीज और दिल के मरीजों की मौत दूसरे नंबर पर है। महिलाओं के मुकाबले पुरूषों में डेढ़ गुना ज्यादा खतरा 'स्ट्रोक' का है। जानकार ताज्जुब होगा कि डियबिटीज में होने वाले पहले 'स्ट्रोक' के अटैक के दौरान सौ में से चालीस लोगों की मौत हो जाती है। बाकी साठ लोगों में दूसरी बार 'स्ट्रोक' का कहर टूटने पर ऐसे 35 फीसद मौतें होती है लेकिन तीसरी बार 'स्ट्रोक' होने पर 100 में से 35 लोग अपनी जान गंवाते हैं। दरअसल मेडिकल का शब्द है—टीआईए (ट्रांसिएंट इस्चीमिक अटैक)। इसके तहत क्षणिक बेहोशी या कमजोरी आ जाती है पर यह 24 घंटे से ज्यादा नहीं रूकती। ऐसे में वैस्कुलर सर्जन से तुरंत संपर्क करना चाहिए।

ब्लडप्रेशर के मरीजों को भी 'स्ट्रोक' आ जाते हैं, साथ दिल की बीमारियों से पीड़ित रोगी भी 'स्ट्रोक' के घेरे में आते हैं। देखा गया है कि जिन लोगों को 'स्ट्रोक' आया, उनकी गर्दन में मौजूद धमनियों की दीवारों में चर्बी व कैल्शियम का जमाव हो गया था। इसे डॉक्टर 'एथिरोस्क्लेरोसिस' की प्रक्रिया कहते हैं। इसमें एक तरफ दिमाग को जाने वाले साफ खून की मात्रा में कमी आ जाती है और दूसरी तरफ चर्बी के टुकड़े दिमाग के अंदर मौजूद खून की नलियों में पहुंचकर उसे जाम कर देते हैं। अक्सर ये टुकड़े और खून के कण यानी प्लेटलेट ऊपर खिसक कर मस्तिष्क की नलियों को बंद कर देते हैं। इससे बार-बार अटैक होता रहता है। गर्दन की नलियों में सबसे ज्यादा 'कैराटिड' नली ही है, जो दिमाग में खून ले जाती है, इसलिए जरूरी है कि इस नली को सेहतमंद और चर्बी से दूर रखा जाए। ऐसा करने की सूरत में 80 प्रतिशत मरीजों में अटैक को रोका जा सकता है। गर्दन की दूसरी नली है 'वरटेब्रल आर्ट्री'। यह स्ट्रोक के पंद्रह प्रतिशत मरीजों में अटैक के लिए जिम्मेदार होता है। डायबिटीज के मरीजों में कैरोटिड नली में चर्बी जमा होने की प्रक्रिया जारी रहने की वजह से शुद्ध खून के बहाव में गतिरोध पैदा हो जाता है, कभी-कभी खून की नलियों में सूजन की बीमारी भी, खून के प्रवाह को रोक देती है। जैसे 'टाकायासू' नामक खून की नली का रोग, जो गर्दन की नली के साथ-साथ, शरीर की और भी खून की नलियों को प्रभावित करता है। सड़क दुर्घटनाओं में गर्दन पर चोट कैरोटिड नली की दीवार क्षतिग्रस्त होने पर यह खून के कतरे जमा हो जाते हैं, जिससे कैरोटिड नली के ऊपर दिमाग की आर जाने वाली खून की सप्लाई बंद हो जाती है।

क्या कैसे ?

डायबिटीज के मरीजों को कभी भी हल्का चक्कर आने या कमजोर की शिकायत होने पर तुरंत किसी वैस्क्युलर या कर्डियो वैस्कुलर सर्जन से मिलना चाहिए। सबसे पहले गर्दन की कैरोटिड नली की जांच करवाएं और खून के प्रवाह को सही कराने की कोशिश करें, वरना स्ट्रोक या अटैक से बचना मुश्किल होगा। अगर स्ट्रोक का हमला हो चुका है और आपके न्यूरोलॉजिस्ट इलाज कर रहे हैं, तो भी डॉक्टर को बताकर किसी वैस्कुलर सर्जन को दिला लें, जिससे दोबारा स्ट्रोक होने की संभावना कम रहे।

हेल्थ प्लस

अच्छी नींद से बेहतर होगी याददाश्त

एक नए शोध में यह बात सामने आई है कि याददाश्त को बेहतर करने के लिए अच्छी नींद आवश्यक है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि अच्छी नींद का असर दिमाग की कार्यशैली पर पड़ता है और अगर रात में अच्छी नींद हो तो सुबह दिमाग की कार्यशैली में जबर्दस्त फर्क पड़ता है। अच्छी नींद से दिमाग की कोशिकाओं के बीच समन्वय बेहतर होता है जो याददाश्त और सीखने के लिए जरूरी है। यूनिवर्सिटी ऑफ जिनेवा का यह शोध फेडरेशन ऑफ यूरोपियन न्यूरोसाइंस सोसाइटी कांफ्रेंस में पेश किया गया है। शोधकर्ताओं ने 32 लोगों पर शोध किया जिसमें उन्हें कुछ चित्र दिखाए या कोई नई चीज सिखाई गई जो उन्हें याद रखनी थी। इनमें एक बिंदु को जॉयस्टिक की मदद से कंप्यूटर पर घुमाना भी शामिल था। दो समूहों के इस शोध में एक समूह आठ घंटे सोने दिया गया, जबकि दूसरे समूह को या तो सोने नहीं दिया गया या फिर थोड़ी देर ही सोने दिया गया। जब अगले दिन दोनों समूहों से चित्रों को याद करने या फिर पिछले दिन सीखी गई चीजों को करने के लिए कहा गया तो पाया गया कि जो आराम से सोए थे, उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया। शोधकर्ता टीम के प्रमुख डा. सोफी स्वार्टज का कहना था, परिणामों के अनुसार एक नए अनुभव के बाद अच्छी नींद उस अनुभव को याद रखने में मदद करती है और सीखने में मदद करती है।

व्यस्त रहते हैं तो लें स्मार्ट डाईट

व्यस्त लोगों को स्वस्थ खानपान के लिए बस थोड़ी सी योजना बनाने की आवश्यकता होती है इसलिए यहां स्वस्थ लिविंग व स्वस्थ शरीर हासिल करने के लिए कुछ शार्टकट्स दिये जा रहे हैं...

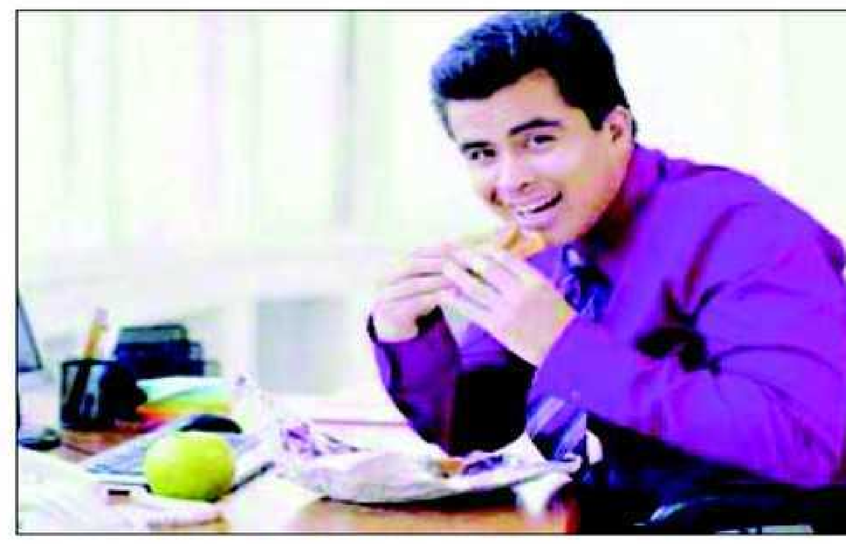

आज के युग में जब आलस भरी जीवनशैली नियम बन गयी है, तो देखने में यह अच्छा है कि लोगों की सेहत दिन पर दिन गिरती जा रही गै। लोग अपने आपको और अपने जिस्म को फार ग्रानटिड लेते जा रहे हैं। उन्हें यह भी याद नहीं रहता कि ढंग से खाना उन्होंने कब खाया था।

नाश्ता बहुत जरूरी है

अपनी सुबह की शुरूआत नाश्ते से करें। चाहे वह कोई फल हो या होल व्हीटब्रेड। ओट मील को गर्म पानी के थर्मस में डाल लें और आप पूरी रात इसे ऐसे ही रख भी सकते हैं। सुबह आपको गर्म पका हुआ ओटमील खाने के लिए तैयार मिलेगा। इसी तरह उबला हुआ अण्डा भी खाया जा सकता है। इस तरह आपका जिस्म भूख के मोड़ में नहीं जायेगा। रोजाना नाश्ता करने से आपकी पाचन दर भी बढ़ जायेगी।

दिन में पांच बार खाना खायें

दिन में कम से कम पांच बार खाना खायें। इनमें से तीन मुख्य मील्स हो सकते हैं-ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर। जबकि बाकी दो मील्स ऐसे हों जिनमें पौष्टिक स्नैक्स लिए जा सकें। कई बार खाने से भूख नहीं लगती, नियमित ऊर्जा मिलती रहती है और पाचन क्षमता भी बरकरार रहती है। स्वस्थ फूड्स खायें जैसे फल जिनमें अधिक फाइबर होता है- सेब, तरबूज, खरबूजा, संतरा, स्वीटलाइम, पपीता और पीच।

डिनर की योजना बनायें

कुछ लोगों के काम की मांग होती है कि उन्हें अक्सर डिनर के लिए रेस्त्रों में जाना पड़ता है। हमेशा छुपे हुए फैट्स पर ध्यान दें। क्रीमी सूप, व्हाइट ब्रेड, फलेती पेस्ट्री और मायोनेज आधारित सलाद ड्रैसिंग फूड में अनावश्यक फैट्स बढ़ा देते हैं। क्रीमी सूप की जगह ब्रोथ्स लें। मायोनेज ड्रैसिंग की जगह नींबू, सिरका, हर्ब्स, प्याज, लहसुन आदि का इस्तेमाल करें ताकि सलाद का स्वाद व पाचन क्षमता बढ़ जाये। ध्यान रहे कि एक ग्राम फैट में दो गुनी कैलोरियां होती हैं, एक ग्राम प्रोटीन या कार्बोहाइड्रेट की तुलना में। फ्राइड फूड्स की जगह ग्रिल्ड, बेक्ड, उबला हुआ या ब्रोइल्ड फूड खायें।

यात्रा के दौरान हाईड्रेट रहें

आपका काम ऐसा हो सकता है जिसमें यात्रा बहुत करनी पड़ती हो। हवाई यात्रा सबसे ज्यादा डी-हाइड्रेटिंग अनुभव होता है। यही वजह है कि लोग अक्सर खराब गले और अन्य सांस की बीमारियों की शिकायत करते हैं। इनसे बचने के लिए हवाई यात्रा के पहले या बाद में कैफीन, कोला या एल्कोहल न लें क्योंकि यह डाइयूरेटिक्स होते हैं और पानी की कमी को बढ़ा देते हैं। नमकीन स्नैक्स से बचें जैसे साल्टिड पीनट्स या फ्राइड फूड्स ताकि डी-हाईड्रेशन को कम किया जा सके। पानी, फ्रूट जूस, नारियल पानी, नींबू पानी आदि के रूप में अधिक लूइड लेने का प्रयास करें। हर व्यक्ति को दिन में 12 से 15 गिलास पानी पीना चाहिए। यात्रा में तनाव बढ़ जाता है इसलिए प्रोटीन की जरूरत भी बढ़ जाती है, जिसकी भरपाई करने के लिए रोज थोड़ी सी अधिक प्रोटीन लें।

दिमाग हेतु जरूरी फलों का जूस

फलों या सब्जियों के जूस का प्रति सप्ताह तीन बार सेवन करने से अल्जाइमर नामक रोग का खतरा कम हो जाता है। ऐसा एक अध्ययन में सामने आया है जूस में मौजूद एंटी ऑक्सीडैंट्स हो सकती है इसके पीछे कारण हों।

यदि आप अपनी कमर के आकार को फैलने से रोकना चाहती हैं तो कम कैलोरी वाले या बिना अतिरिक्त शूगर वाले फलों का चुनाव करें।

ड्रिंकिंग जूस के साथ ही एंटी ऑक्सीडैंट्स की रोजमर्रा की जरूरत पूरी करने के लिए आप पूरा फल खाएं। इससे आपकी डाइट में फाइबर भी शामिल होगा। फलों तथा सब्जियों में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडैंट्स आपके दिमाग को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचा सकते हैं। ये डैमेज हाइड्रोजन पराक्साइड तथा कुछ निश्चित प्रोटीन्स की कमी के कारण होते हैं।

ताजा और रस भरे

एक हालिया अध्ययन में शोधकर्त्ताओं ने पाया कि जो लोग सप्ताह में तीन या अधिक बार फलों के जूस का सेवन करते हैं उनमें प्रति सप्ताह एक बार फलों के जूस का सेवन करने वालों के मुकाबले अल्जाइमर रोग विकसित होने का खतरा कम होता है। हालांकि इस बात को प्रमाणित करने के लिए अभी और शोध की आवश्यकता है फिर भी जूस आपके भोजन में फलों को शामिल करने का आसान तरीका है। जूस के साथ ही नियमित कसरत तथा मानसिक उत्तेजना 'डिमैंशिया' यानी स्मृति नाश का मुकाबला करने में काफी सहायता मिलती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3822

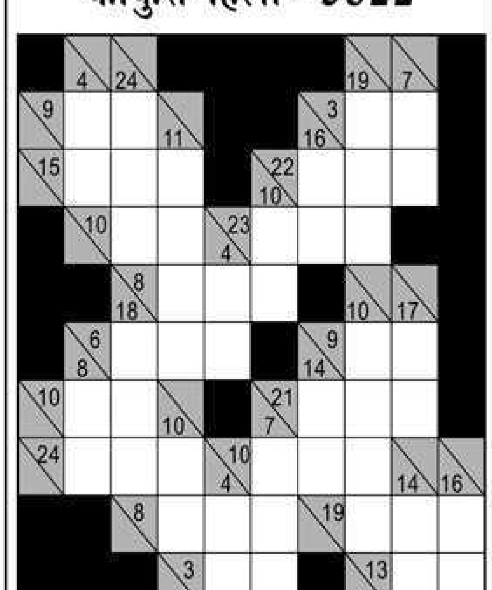

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

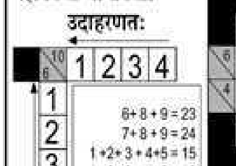

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3821 का हल

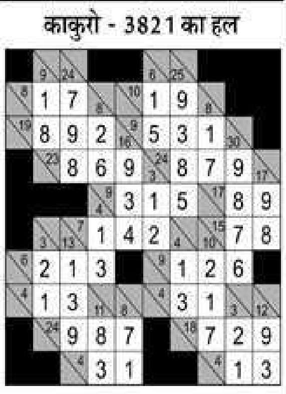

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3822

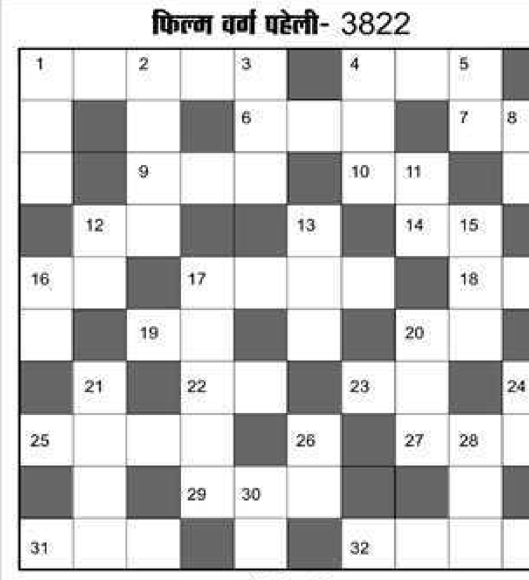

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका ?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है ?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लकी अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3821

सूडोकु -3822

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3821 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	6	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 3822

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -3821 का हल

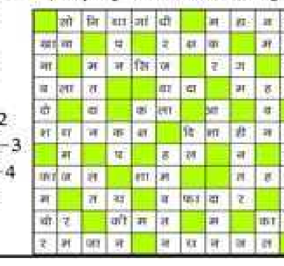

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुद्दीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी